epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में औषधीय पौधों पर कौशल विकास कार्यक्रम संपन्न

5 फार्म के लिए रोहित ने किया मुंबई प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास

8 साल भर उगाई जा सकती है मूली

मौसम जम्मू — न्यूनतम 6 — अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-15 | जम्मू तवी, वीरवार 16 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

दुनिया की बड़ी समुद्री ताकत बन रहा है भारतः मोदी

मुंबई 15 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि तीन अत्याधुनिक और प्रमुख प्लेटफार्म का एक ही दिन नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाना मजबूत तथा आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण तथा नौसेना को 21 वीं सदी के अनुरूप सशक्त बनाने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।

श्री मोदी ने बुधवार को यहां नौसेना डॉकयार्ड में तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर को नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि 21 वीं सदी की नौसेना को सशक्त बनाने की तरफ हम एक बड़ा कदम उठा रहे हैं और आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है।

उन्होंने कहा , यह पहली बार हो रहा है जब एक डिस्ट्रायर, एक फ्रिगेट और एक सबमरीन को एक साथ कमीशन किया जा रहा है और सबसे गर्व की बात है कि ये तीनों ही प्रमुख प्लेटफार्म मेड इन इंडिया हैं। आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है।

उन्होंने कहा कि आज भारत पूरे विश्व और विशेषकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। उन्होंने कहा , भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। भारत ने हमेशा खुले, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिन्द प्रशांत क्षेत्र का

समर्थन किया है। भारत पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में पहले मदद का हाथ बढ़ाने वाले देश के रूप में उभरा है। जल हो, थल हो , नभ हो या गहरा समुद्र या असीम अंतरिक्ष हर जगह भारत अपने हितों को सुरक्षित कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन भारत की समुद्री विरासत, नौसेना के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक बड़ा दिन है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने भारत में नौसेना को एक नई ताकत और दृष्टि दी। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने शिवाजी महाराज की भूमि पर 21वीं सदी की भारतीय नौसेना को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

श्री मोदी ने कहा, आज का कार्यक्रम हमारी गौरवशाली विरासत को हमारी भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत का लंबी समुद्री यात्राओं, वाणिज्य, नौसेना रक्षा और जहाज उद्योग से जुड़ा एक समृद्ध इतिहास है। इस समृद्ध इतिहास से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आज लॉन्च किए गए प्लेटफॉर्म उसी की एक झलक दिखाते हैं। प्रधानमंत्री ने चोल वंश की समुद्री शक्ति को समर्पित आईएनएस नीलगिरि और सूरत युद्धपोत सहित नए प्लेटफार्मों के लॉन्च का उल्लेख किया, जो उस युग की याद दिलाता है जब गुजरात के बंदरगाह भारत को पश्चिम एशिया से जोड़ते थे। उन्होंने कुछ साल पहले पहली पनडुब्बी कलवरी के कमीशन के बाद पी 75 श्रेणी की छठी वाग्शीर पनडुब्बी के कमीशन का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नए प्लेटफॉर्म भारत की सुरक्षा और प्रगति दोनों को बढ़ाएंगे।

वैश्विक सुरक्षा, अर्थशास्त्र और भू-राजनीतिक गतिशीलता को आकार देने में भारत जैसे समुद्री राष्ट्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, प्रधान मंत्री ने आर्थिक प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय समुद्री सीमा की रक्षा, नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और व्यापार आपूर्ति लाइनों और समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्र को आतंकवाद, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी से बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री उमर ने नियोजित विकास के लिए शहरी नियोजन रणनीतियों को अपनाने पर जोर दिया

जम्मू 15 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शहरी क्षेत्रों में नियोजित विकास लाने के लिए जम्मू और कश्मीर के शहरी परिदृश्य को बदलने के उद्देश्य से प्रस्तावित शहरी नियोजन योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन की समीक्षा और चर्चा के लिए बैठकों की एक श्रृंखला की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री को लैंड पूलिंग नीति, इसकी पृष्ठभूमि, मार्गदर्शक सिद्धांतों और उद्देश्यों सहित जानकारी दी गई। लैंड पूलिंग नीति के तहत, विकासकर्ता या निजी भूमि मालिक अपनी भूमि को पूल करने और विकास के लिए प्राधिकरण प्राप्त करने के लिए एक साथ आएंगे। विकास को अधिकृत करते समय, संबंधित शहरी शासन एजेंसियां बुनियादी ढांचे, चौड़ी सड़कों, पार्कों, खुले स्थानों और अन्य सुविधाओं के विकास के लिए पर्याप्त भूमि रखेंगी और शेष भूमि भूमि मालिकों को वापस कर दी जाएगी, जिसे वे आपस में आनुपातिक रूप से

साझा करेंगे।

विभिन्न हितधारकों के लिए लैंड पूलिंग का लाभ यह होगा कि भूमि मालिकों के लिए भूमि का मूल्य बढ़ जाएगा और भूमि के उस हिस्से को विकसित करने वाले भूमि मालिकों द्वारा पूल किए गए अनियमित भूमि भूखंडों की तुलना में बेहतर बुनियादी ढांचे का निर्माण होगा।

यह पारंपरिक भूमि अधिग्रहण विधियों के लिए एक स्थायी विकल्प के रूप में बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद करेगा। इस योजना का उद्देश्य सरकार और विभिन्न हितधारकों, जिसमें व्यक्तिगत भूमि मालिक और रियल एस्टेट डेवलपर्स शामिल हैं, दोनों के लिए जीत की स्थिति बनाना है। बैठक में हस्तांतरणीय विकास अधिकार नीति पर भी गहन चर्चा की गई, जिसमें इसके व्यापक रूपरेखा, उद्देश्यों और तंत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। विरासत संपत्तियों के लिए टीडीआर के संभावित उपयोग, शहरी विकास को सक्षम करते हुए उनके संरक्षण को सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई। टीडीआर योजना के तहत, भूमि मालिक या विकासकर्ता द्वारा सार्वजनिक उद्देश्यों जैसे सड़क चौड़ीकरण, सार्वजनिक मार्ग, संरक्षण, विरासत और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निःशुल्क समर्पित की गई भूमि के लिए, भूमि मालिक या विकासकर्ता को दिए गए निर्मित क्षेत्र या फ्लोर एरिया अनुपात को निर्दिष्ट करते हुए टीडीआर प्रमाणपत्र के रूप में एक गैर-वित्तीय मुआवजा दिया जाएगा, जिसका उपयोग वह अपनी संपत्ति के शेष हिस्से में कर सकता है या कहीं और निर्माण कर सकता है और यहां तक कि प्राप्त क्षेत्रों में किसी अन्य विकासकर्ता या उपयोगकर्ता को टीडीआर बेचकर मुद्रीकरण भी कर सकता है। इससे विकासकर्ताओं को भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में समर्पित भूमि के लिए स्वीकार्य फ्लोर एरिया अनुपात से अधिक निर्माण करने की अनुमति मिल जाएगी।

राजौरी में पांच वर्षीय बच्ची की कुत्ते के काटने से मौत

राजौरी 15 जनवरी । राजौरी जिले के अपर शादरा इलाके की पांच वर्षीय बच्ची बुधवार को कुत्ते के काटने से गंभीर रूप से घायल हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि राजौरी की पांच वर्षीय बच्ची की कुत्ते के काटने से गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान समरीन कौसर 05 पुत्री मोहम्मद शफायत के रूप में हुई है जिसे गंभीर चोट लगने के कारण बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बीच बीएमओ थानामंडी डॉ. रुकसाना ने कहा कि बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया था। इसके अलावा कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

पांच हजार रुपये की नकदी के साथ लगभग 5.05 ग्राम हेरोइन बरामद

साम्बा 15 जनवरी । नशा तस्करों के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने पुलिस स्टेशन विजयपुर के अधिकार क्षेत्र में एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से पुलिस ने पांच हजार रुपये की नकदी के साथ लगभग 5.05 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। एसडीपीओ विजयपुर की देखरेख में और एसएचओ पीएस विजयपुर के नेतृत्व में एक पुलिस पार्टी ने एनएचडब्ल्यू एम्स विजयपुर में नाका के दौरान रख बरोटियां की तरफ से आ रहे बिना पंजीकरण नंबर के एक ट्रैक्टर को रोका। इस दौरान चालक के कब्जे से लगभग 5.05 ग्राम हेरोइन और पांच हजार रुपये की नकदी बरामद की गई। नशा तस्कर की पहचान काघो पुत्र शानो निवासी रख बरोटियां तहसील विजयपुर जिला सांबा के रूप में हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं पुलिस ने प्रतिबंधित सामान जब्त कर लिया है। इस मामले में ट्रैक्टर को भी जब्त कर लिया गया है। थाना विजयपुर में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

निलंबित खनन अधिकारी के लिए जांच पैनल का गठन

जम्मू, 15 जनवरी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने कठुआ के पूर्व जिला खनिज अधिकारी नवीन कुमार के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति नियुक्त की है जिन्हें दिसंबर 2024 में निलंबित कर दिया गया था। एक आदेश के अनुसार पैनल में सरकार की विशेष सचिव डॉ. नरगिस सुरैयो, वित्त निदेशक रेयाज हुसैन और भूविज्ञान एवं खनन उप निदेशक डॉ. राज कुमार शामिल हैं। समिति को 30 दिनों के भीतर अपने निष्कर्ष और सिफारिशें प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है। यह कदम उपमुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देशों का पालन करता है।

सरकार सशस्त्र बलों को आधुनिक युद्ध मशीन में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही : राजनाथ

नयी दिल्ली, 15 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार गतिशील भू-राजनीतिक विश्व व्यवस्था और युद्ध के निरंतर बदलते स्वरूप को देखते हुए सशस्त्र बलों को आधुनिक युद्ध मशीन में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

रक्षा मंत्री ने बुधवार को 77वें सेना दिवस समारोह के तहत पुणे में आयोजित 'गौरव गाथा' कार्यक्रम में युद्ध में अपरंपरागत और विषम तरीकों के बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला और सशस्त्र बलों से हमेशा सतर्क रहने और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

श्री सिंह ने कहा,संघर्ष और युद्ध अधिक हिंसक और अप्रत्याशित हो जाएंगे। कई देशों में गैर-सरकारी तत्वों का उभरना और उनका आतंकवाद का सहारा लेना भी चिंता का विषय है।

तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति के कारण भविष्य के युद्धों में काफी हद तक बदलाव देखने को मिल सकता है। साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से नए युद्ध क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं। इसके साथ ही, पूरी दुनिया में कथात्मक और धारणागत युद्ध भी लड़ा जा रहा है। सेना को समग्र क्षमता निर्माण और सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मंडलायुक्त, एडीजीपी जम्मू द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा

जम्मू 15 जनवरी। मंडलायुक्त जम्मू रमेश कुमार और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन ने मुख्य स्थल-एमए स्टेडियम में यूटी स्तरीय गणतंत्र दिवस 2025 समारोह की तैयारियों का जायजा लिया।

पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ यह दौरा राष्ट्रीय पर्व के सुचारू और सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने पर केंद्रित था। मंडलायुक्त को विभिन्न विभागों द्वारा उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के अनुसार की गई तैयारियों से अवगत करवाया गया। संबंधित विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों पर विस्तृत जानकारी लेते हुए मंडलायुक्त ने योजनाओं को क्रियान्वित करते समय संबंधित विभागों के बीच घनिष्ठ तालमेल बनाए रखने पर जोर दिया। संबंधित विभागों को जमीनी स्तर पर सभी व्यवस्थाएं पहले से ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त और एडीजीपी ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैठने की व्यवस्था, सजावट, बिजली और पानी की आपूर्ति, स्वच्छता, चिकित्सा, सुविधाजनक पार्किंग स्थल, बैरिकेडिंग, तलाशी प्वाइंट, अग्नि आपातकाल का विस्तृत जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने सौंपे गए कार्यों को निष्पादित करते समय एसओपी का पालन करें। मंडलायुक्त को यह भी बताया गया कि कल से मुख्य स्थल पर रिहर्सल शुरू हो रही है, जिसमें सशस्त्र बलों की टुकड़ियाँ, स्कूली बच्चे, बैंड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले दल शामिल होंगे।

शीतलहर के चलते न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज

श्रीनगर 15 जनवरी । कश्मीर घाटी में शीतलहर के चलते न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट देखी गई है जहाँ अधिकांश स्थानों पर तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया।

इस बीच श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि काजीगुंड में -5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहलगाम और गुलमर्ग के पर्यटन स्थल सबसे ठंडे स्थानों में से रहे, जहाँ तापमान क्रमशः -8.4 डिग्री सेल्सियस और -7.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। शोपियां और लारनू जैसे अन्य क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान -7.9 डिग्री सेल्सियस और -8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

डुल्लू ने कचरा प्रबंधन कार्य योजना तैयार करने की समय सीमा तय की

जम्मू 15 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आवास एवं शहरी विकास विभाग की बैठक की, जिसमें ठोस एवं तरल कचरे के वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न यूएलबी सहित नगर निगमों की क्षमता निर्माण के लिए उठाए जा रहे कदमों का जायजा लिया गया।

बैठक में वित्त विभाग के प्रमुख सचिव, प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष, एचएंडयूडीडी के आयुक्त सचिव, एसएमसी/जेएमसी के आयुक्त, यूएलबी जम्मू/कश्मीर के निदेशक और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने संबंधितों को जम्मू-कश्मीर के दोनों नगर निगमों और अन्य नगर पालिकाओं के लिए व्यापक और घटकवार कचरा प्रबंधन योजनाएं बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने एसएमसी और जेएमसी के नगर आयुक्तों को घरों से प्रतिदिन निकलने वाले ठोस एवं तरल कचरे के उपचार के लिए दोनों शहरों के लिए वैज्ञानिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें जनसंख्या और कचरा उत्पादन दोनों के संदर्भ में भविष्य के अनुमानों को ध्यान में रखने का निर्देश दिया।

अटल डुल्लू ने उन्हें सलाह दी कि वे इस अनुपचारित कचरे के स्थलों को साफ करने के लिए विरासती कचरे के उपचार के लिए एक साथ योजनाएँ बनाएँ। उन्होंने उन्हें ठोस कचरे के लिए सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाओं, तरल कचरे के लिए खाद इकाई/बायो-सीएनजी संयंत्र और निष्क्रिय कचरे के लिए डंपिंग साइटों की स्थापना के लिए व्यवहार्य स्थानों की पहचान करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि कचरे का प्रबंधन स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों ही चिंताओं के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य के लिए विभाग की ओर से पूरी गंभीरता और समर्पण की आवश्यकता है ताकि हमारे शहरों और कस्बों को अनुपचारित कचरे और कूड़े से पूरी तरह से मुक्त किया जा सके।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर पीसीसी को जम्मू-कश्मीर में पर्यावरण संरक्षण कानूनों के प्रवर्तन में सक्रिय होने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें उनके अधिदेश के बारे में जागरूक किया और उन्हें कानून के अनुसार उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अपने अधिकार का उपयोग करने के लिए कहा।

उपायुक्त ने दोमेल-कटरा मार्ग पर कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया

रियासी 15 जनवरी। उपायुक्त रियासी निधि मलिक ने प्रगति का आकलन करने और परियोजना में आने वाली प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने हेतु दोमेल-कटरा मार्ग पर दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का व्यापक दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने उन महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया, जहां इमारतें, कब्रिस्तान और स्कूल अवरोध पैदा कर रहे थे और संबंधित अधिकारियों को निर्माण में तेजी लाने के लिए इन बाधाओं को शीघ्रता से हल करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से परियोजना के निष्पादन में देरी से बचने के लिए इन मुद्दों को हल करने के उपायों में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने पहले से अधिग्रहित और अतिरिक्त भूमि के मुआवजे से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की। उन्होंने क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में एक्सप्रेसवे की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए बाधाओं को दूर करने और निरंतर प्रगति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, निधि मलिक ने इस ऐतिहासिक परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए एनएचएआई के साथ पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक्सप्रेसवे न केवल एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक भी है।

राणा ने जम्मू में दो दिवसीय गोजरी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सम्मेलन का उद्घाटन किया

जम्मू 15 जनवरी। जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू के के.एल. सैगल हॉल में जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी द्वारा आयोजित दो दिवसीय गोजरी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में जेकेएएसीएल की सचिव हरविंदर कौर, अध्यक्ष गुज्जर डेस्क चैरिटेबल ट्रस्ट अर्शीद अली चौधरी, जेकेएएसीएल के मुख्य संपादक डॉ. जाविद राही, डॉ. निखत चौधरी, लेखक, कलाकार शामिल हुए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जावेद राणा ने जम्मू-कश्मीर की एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में गोजरी के महत्व पर जोर दिया और कहा कि हर भाषा को अपने प्रचार-प्रसार और पुनरुद्धार के लिए सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा, सांस्कृतिक कार्यक्रम जिनका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के गुज्जर और बकरवाल समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना और उसे प्रदर्शित करना है, गोजरी भाषा के प्राचीन गौरव को संरक्षित और पुनर्स्थापित करने के लिए एक मंच भी प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम प्राचीन भाषाओं में नई जान फूंकते हैं। गुज्जर-बकरवाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए जेकेएएसीएल की सराहना करते हुए राणा ने कहा कि यह काम अकेले उन पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें एक समाज के रूप में अपनी भाषाई जिम्मेदारी निभानी होगी और अपनी मूल भाषाओं के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की दिशा में काम करना होगा।

सांप्रदायिक अशांति भड़काने के आरोप में छह उपद्रवी गिरफ्तार

श्रीनगर, 15 जनवरी। साइबर पुलिस कश्मीर ने बुधवार को कहा कि उसने अपमानजनक टिप्पणियों के माध्यम से सांप्रदायिक अशांति भड़काने के आरोप में छह उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है और उन्हें सेंट्रल जेल श्रीनगर में रखा गया है।

साइबर पुलिस कश्मीर ने सभी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से ऑनलाइन शिष्टाचार बनाए रखने और सांप्रदायिक घृणा को बढ़ावा देने वाली या सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने वाली किसी भी सामग्री को पोस्ट करने साझा करने या बढ़ाने से बचने का आग्रह किया।

साइबर पुलिस शांति भंग करने के उद्देश्य से किसी भी दुर्भावनापूर्ण सामग्री के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है। साइबर क्राइम कश्मीर के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कानून की विभिन्न धाराओं के तहत 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है जिन्हें सांप्रदायिक अशांति भड़काने के आरोप में सेंट्रल जेल श्रीनगर में रखा गया है। एसपी ने कहा कि 06 बदमाशों पर बीएनएसएस की धारा 126 और 170 के तहत आरोप लगाए गए हैं और उन्हें अपमानजनक टिप्पणियों के माध्यम से सांप्रदायिक अशांति भड़काने के लिए सेंट्रल जेल श्रीनगर में हिरासत में लिया गया है।

उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी व्यक्ति विभाजन पैदा करने या सार्वजनिक सद्भाव को बिगाड़ने के इरादे से सांप्रदायिक सामग्री पोस्ट करने या साझा करने सहित इसी तरह की गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त पाया गया तो उसका भी यही हश्र होगा। एसपी ने शांति और एकता सुनिश्चित करने की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए लोगों से ऑनलाइन जुड़ते समय जिम्मेदारी से काम करने की अपील की।

मौतों के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है, लोगों को घबराने से मना किया

जम्मू 15 जनवरी। राजौरी जिले के बुधल गांव में मौतों को लेकर लोगों की बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि इन दुर्भाग्यपूर्ण मौतों के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

इस मुद्दे पर बोलते हुए सकीना इत्तू ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम ने प्रभावित गांव का दौरा किया है और तीन हजार से अधिक लोगों के घर-घर जाकर जांच की। उन्होंने कहा कि टीमों ने पानी के नमूने, खाद्य पदार्थ के नमूने और अन्य सभी तरह के नमूने एकत्र किए और उन्हें जांच के लिए भेजा।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी जांच रिपोर्ट निगेटिव आई हैं। सकीना इत्तू ने कहा, सभी नमूने लिए गए हैं, चाहे वह पानी हो, खाद्यान्न हो, बिस्कुट सहित वहां इस्तेमाल की जाने वाली बाकी चीजें हों, जो भी हो और सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। उन्होंने कहा कि इन्फ्लूएंजा की सभी जांच रिपोर्ट भी निगेटिव आई हैं। मंत्री ने आगे कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने आईसीएमआर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, सीएसआईआर, डीआरडीओ, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ और अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के माध्यम से कुछ नमूनों की जांच कराई और सभी रिपोर्ट

नकारात्मक आईं। मंत्री ने आगे कहा कि मौतें कुल तीन परिवारों में हुई हैं जो एक दूसरे से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर रहते हैं। उन्होंने बताया कि इन 40 दिनों के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस, दवाइयां और अन्य आवश्यक दवाएं जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध रखीं। मंत्री ने कहा, 40 दिनों में, भगवान न करे, कोई कोविड बीमारी आए या कोई अन्य संक्रामक बीमारी हो, यह फैल जाए। लेकिन आज तक कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं पाई गई। मंत्री ने आगे कहा कि मामले की अभी जांच चल रही है और पुलिस विभाग और जिला प्रशासन आगे की जांच करेगा कि असली मामला क्या है।

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डांटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंहे) में भी होते हैं।

पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित = इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी = कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड = झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति = रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं।

हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में औषधीय पौधों पर कौशल विकास कार्यक्रम संपन्न

जम्मू, 15 जनवरी (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में बुधवार को औषधीय पौधों के संरक्षण, खेती और उद्यमिता विकास पर सात दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का समापन हुआ। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र एनआर 2, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कश्मीर (एसकेयूएएसटी-के) और सीयूजे के वनस्पति विज्ञान विभाग के बीच एक सहयोगी पहल थी। सीयूजे के कुलपति प्रो. संजीव जैन की दृष्टि और मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को औषधीय पौधों के संरक्षण, टिकाऊ खेती और उद्यमिता में व्यापक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना था। सप्ताह भर में प्रतिभागियों ने क्षेत्र में नवीन प्रथाओं और उन्नति के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले 22 विशेषज्ञ-नेतृत्व वाले व्याख्यानों में भाग लिया। क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र एनआर 2 के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. शेख बिलाल अहमद ने कार्यक्रम के आयोजन में उनके निरंतर सहयोग के लिए प्रोफेसर जैन और सीयूजे के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और ज्ञान प्राप्त करने के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। सीयूजे के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश कुमार ने डॉ. शेख बिलाल अहमद सहित सहयोगियों के योगदान की सराहना की और कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने वाले टीम वर्क को स्वीकार किया।

जय मां सुरभि गौशाला अखनूर में मकर संक्रांति पर हवन यज्ञ का आयोजन

जम्मू, 15 जनवरी (हि.स.)। जय मां सुरभि गौशाला अखनूर में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर अखनूर के विधायक मोहनलाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गौशाला ट्रस्ट के सभी सदस्य और अखनूर कस्बा व आसपास के क्षेत्रों के समाजसेवियों ने भाग लिया। उन्होंने विश्व में शांति और उन्नति की प्रार्थना की। विधायक मोहनलाल ने हवन यज्ञ में भाग लेने के साथ-साथ गौशाला का दौरा किया। उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और ट्रस्ट के सदस्यों के साथ आवश्यक विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि गौशाला में जरूरी विकास कार्यों के लिए ठोस कदम जल्द उठाए जाएंगे। विधायक ने गौशाला की कार्यप्रणाली की सराहना की और मकर संक्रांति के उपलक्ष पर आयोजित हवन यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर जय मां सुरभि गौशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, प्रधान अनव लंगर, संग्राम सिंह, शिव बैरागी, राजन शर्मा, श्याम मल्होत्रा, करण शर्मा, गौरव शर्मा, विक्रांत बर, राबिया खजुरिया, चीकू महाजन, कुलदीप शर्मा, रमन शर्मा, संदीप सिंह वजीर, कृष्णा अनमोल शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने गौशाला के लिए मिलकर काम करने और इसके विकास के लिए हर संभव सहयोग देने का संकल्प लिया

जेकेसीए ग्राउंड में वीसी इलेवन और प्रिंसिपल इलेवन के बीच क्रिकेट मैच आयोजित

जम्मू, 15 जनवरी (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू के प्रिंसिपल डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता और जीजीएम साइंस कॉलेज के प्रभारी फिजिकल डायरेक्टर डॉ. देविंदर कुमार शर्मा की पहल पर बुधवार को जेकेसीए ग्राउंड, जम्मू में एक रोमांचक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।

प्रिंसिपल इलेवन और वीसी इलेवन के बीच आयोजित इस मैच का उद्देश्य क्लस्टर यूनिवर्सिटी, स्कूलों और घटक कॉलेजों के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के बीच स्वस्थ खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू के क्लस्टर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.एस. चंद्रशेखर थे जिन्होंने मैच से पहले दोनों टीमों के साथ बातचीत की और टॉस कराया। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य प्रशासन ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता ने सम्मानित अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, विभिन्न संकायों के डीन और जेकेसीए के अधिकारी विवेक खजूरिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। टॉस जीतने के बाद उनके कप्तान डॉ राहुल कैत के नेतृत्व में प्रिंसिपल इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 144 रनों का प्रतिस्पर्धी कुल स्कोर बनाया। डॉ लोकिंदर सिंह (34 रन), प्रो राजेश भारद्वाज (33 रन) और डॉ रोहित भारद्वाज (20 रन) का प्रमुख योगदान रहा। गेंदबाजी में, वीसी इलेवन के डॉ देविंदर कुमार शर्मा और उनके कप्तान प्रो अरुण कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट लिए।

जवाब में वीसी इलेवन ने केवल 17.3 ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए 145 रन बनाए। प्रिंसिपल इलेवन के गेंदबाज अभिनंदन ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए। डॉ. देविंदर कुमार शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में प्रतिभागियों के बीच उल्लेखनीय खेल भावना और सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला।

राजौरी में फैली रहस्यमय बीमारी पर गंभीर चिंता व्यक्त की

राजौरी 15 जनवरी (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने बुधवार को राजौरी जिले के दूरदराज के बधाल गांव में फैली रहस्यमय बीमारी पर गंभीर चिंता व्यक्त की जिसमें तीन परिवारों के 11 बच्चों सहित 14 लोगों की मौत हो गई लेकिन इन मौतों का कारण पता नहीं चल पाया है। बुधवार को जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केसरी ने सरकार से इन मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए चिकित्सा और अन्य जांच एजेंसियों द्वारा प्रभावी और कठोर परीक्षण और जांच की मांग की। केसरी ने कहा राजौरी और खास तौर पर बदहाल गांव के लोग डर और शोक में हैं। बीमारी ने गांव में व्यापक दहशत पैदा कर दी है। निवासियों ने अपने स्वास्थ्य के लिए बहुत चिंता व्यक्त की है। गांव की आबादी लगभग 5,700 है। उन्होंने पुलिस विभाग से इन रिपोर्टों का अध्ययन करने के लिए अपने सर्वोत्तम संसाधनों का उपयोग करने का भी आग्रह किया साथ ही अन्य वैज्ञानिक तरीकों से एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए।

भाजपा ने वर्ष 2025 के लिए अपना वार्षिक कैलेंडर जारी किया

जम्मू 15 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई ने जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में वर्ष 2025 के लिए अपना वार्षिक कैलेंडर जारी किया है। कैलेंडर का अनावरण जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा और महासचिव अशोक कौल के साथ विधायक डॉ. देविंदर कुमार मन्याल ने किया। कैलेंडर का संकलन भाजपा साहित्य विभाग के प्रभारी पवन शर्मा, प्रकाशन विभाग के प्रभारी रजनीश जैन और वरिष्ठ नेता एस. विक्रमजीत सिंह ने किया है जो विमोचन कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यालय सचिव तिलक राज गुप्ता, मीडिया सचिव डॉ. प्रदीप महोत्रा, विस्तारक अशोक कुमार और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ मौजूद थे।

सत शर्मा ने कैलेंडर जारी करते हुए पार्टी नेताओं की पार्टी कैलेंडर लाने की चिंता की सराहना की जो पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता को साल में पार्टी की महत्वपूर्ण घटनाओं से अवगत कराता है। उन्होंने कहा कि कैलेंडर में राष्ट्रीय त्योहारों और पार्टी के छह महत्वपूर्ण त्योहारों की तारीखें हैं। उन्होंने कहा कि इस कैलेंडर को जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच वितरित किया जाएगा ताकि पार्टी के त्योहार उनके जेहन में रहें और मनाए जाएं।

सांप्रदायिक अशांति भड़काने के आरोप में छह उपद्रवी गिरफ्तार

श्रीनगर, 15 जनवरी (हि.स.)। साइबर पुलिस कश्मीर ने बुधवार को कहा कि उसने अपमानजनक टिप्पणियों के माध्यम से सांप्रदायिक अशांति भड़काने के आरोप में छह उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है और उन्हें सेंट्रल जेल श्रीनगर में रखा गया है।

साइबर पुलिस कश्मीर ने सभी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से ऑनलाइन शिष्टाचार बनाए रखने और सांप्रदायिक घृणा को बढ़ावा देने वाली या सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने वाली किसी भी सामग्री को पोस्ट करने साझा करने या बढ़ाने से बचने का आग्रह किया।

साइबर पुलिस शांति भंग करने के उद्देश्य से किसी भी दुर्भावनापूर्ण सामग्री के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है। साइबर क्राइम कश्मीर के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कानून की विभिन्न धाराओं के तहत 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है जिन्हें सांप्रदायिक अशांति भड़काने के आरोप में सेंट्रल जेल श्रीनगर में रखा गया है।

सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को बाधित करने के प्रयासों पर गंभीर चिंता व्यक्त की

श्रीनगर, 15 जनवरी (हि.स.)। मुत्तहिदा मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) जम्मू-कश्मीर ने क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को बाधित करने के प्रयासों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। संस्था ने कहा कि हाल ही में एक व्यक्ति द्वारा पूज्य साथियों और खुलफा-ए-राशिदीन के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी बेहद दुखद और अस्वीकार्य है।

पैगंबर मुहम्मद के साथियों को इस्लाम में एक उच्च स्थान प्राप्त है और उनके प्रति किसी भी तरह का अनादर मुस्लिम उम्मा की भावनाओं का गंभीर अपमान है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

इस तरह के बयान न केवल इस्लामी शिक्षाओं की भावना के खिलाफ हैं बल्कि हमारे समुदाय को विभाजित करने का एक जानबूझकर प्रयास भी है जिसकी जम्मू-कश्मीर में एकता और आपसी सम्मान की लंबे समय से चली आ रही परंपरा है।

एमएमयू ने इस तरह की कार्रवाइयों की कड़ी निंदा की और सभी संप्रदायों के सदस्यों से अपने भाषण और कार्यों में ज्ञान, संयम और आपसी सम्मान का प्रयोग करने का आह्वान किया।

ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी में 5.50 लाख रुपये व तीन लाख कीमत के 19 स्मार्ट फोन बरामद : पुलिस

बांदीपोरा, 15 जनवरी (हि.स.)। बांदीपोरा पुलिस ने धोखाधड़ी करने वालों के खातों से 5.50 लाख रुपये की राशि और तीन लाख रूपये की कीमत के 19 स्मार्ट फोन बरामद करके एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। बांदीपोरा पुलिस को आम जनता से विभिन्न वित्तीय धोखाधड़ी, गुम व चोरी हुए मोबाइल फोन और अन्य सोशल मीडिया अपराधों के बारे में कई शिकायतें मिली थीं। पुलिस प्रवक्ता ने जारी एक बयान में कहा कि शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए बांदीपोरा पुलिस ने धोखाधड़ी करने वालों के खातों से 5.50 लाख रुपये की राशि बरामद करके एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की और सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद इसे पीड़ितों के बैंक खातों में वापस कर दिया गया। इसके अलावा 03 लाख रुपये मूल्य के 19 गुम व चोरी हुए स्मार्टफोन भी बरामद किए गए और आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उनके मालिकों को सौंप दिए गए। प्राप्तकर्ताओं ने अपनी मेहनत की कमाई और मोबाइल फोन बरामद करने में बांदीपोरा पुलिस के अथक प्रयासों के लिए अपना आभार और प्रशंसा व्यक्त की।

बांदीपोरा पुलिस ने आम जनता को सलाह दी है कि वे अपने मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया गैजेट का इस्तेमाल सावधानी से करें ताकि वे साइबर संबंधी धोखाधड़ी और अपराधों से खुद को बचा सकें।

पर्यावरण अनुकूल बैग पर प्रदर्शनी और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की

कठुआ 15 जनवरी (हि.स.)। सरकारी महिला डिग्री कॉलेज कठुआ के पर्यावरण विज्ञान विभाग और हरियाली इको क्लब ने प्लास्टिक बैग के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पर्यावरण अनुकूल बैग पर एक प्रदर्शनी और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की।

छात्रों ने बेकार पड़े कपड़ों, जूट और अपशिष्ट पदार्थों से रचनात्मक रूप से तैयार किए गए पर्यावरण अनुकूल बैग प्रदर्शित किए, साथ ही मनुष्यों, अन्य जीवित जीवों और पर्यावरण पर प्लास्टिक बैग के हानिकारक प्रभावों को उजागर करने वाले पोस्टर भी प्रदर्शित किए। जीडीसीडब्ल्यू कठुआ की प्रिंसिपल डॉ सावी बहल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। डॉ बहल ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की, साथ ही प्लास्टिक बैग से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर चर्चा की और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। पर्यावरण विज्ञान विभाग की प्रमुख और हरियाली इको क्लब की संयोजक डॉ दीपशिखा शर्मा ने कार्यक्रम का समन्वय किया और पर्यावरण को संरक्षित करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए कम करने, पुनरू उपयोग करने और रीसाइकिल करने के सिद्धांतों को अपनाने पर जोर दिया। इको क्लब के सदस्य प्रोफेसर यश पॉल, डॉ. रेणु, डॉ. मनजोत, प्रोफेसर करम चंद, डॉ. गुरप्रीत कौर और डॉ. गगन ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने में बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया।

साडा डुग्गर विरसा पर कार्यशाला का आयोजन

जम्मू 15 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर की समृद्ध पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भारतीय लोक संगीत कला संस्थान ने गुरु.शिष्य परंपरा को बढ़ावा देने के लिए संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली के सहयोग से ओपन एयर थिएटर दुर्गा भवन जानीपुर जम्मू में बुधवार को श्रृंखला संगीत नाटक साडा डुग्गर विरसा पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. तारा सिंह चरक, पूर्व उप निदेशक, जम्मू.क़श्मीर स्वास्थ्य विभाग, मुकेश सिंह, प्रसिद्ध मीडिया व्यक्ति जम्मू.क़श्मीर ने किया। राम दित्ता, बिश्वनाथ, एम.सी. कोतवाल, के.के. जोशी, कालो देवी ने जम्मू.क़श्मीर के विभिन्न लोक रंगमंच विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया। श्री जोशी ने बताया कि वह जम्मू.क़श्मीर राज्य की समृद्ध संस्कृति को संरक्षित करने के लिए इतिहास गीत और नृत्य आदि में डुग्गर संस्कृति पर अपनी तरह की पहली कार्यशाला आयोजित करेंगे और यह भी कहा कि बीएलएसकेएस राज्य के सभी हिस्सों में ऐसे नाटकों का मंचन करता है ताकि रंगमंच नाटक के माध्यम से विभिन्न सामाजिक बुराइयों के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा की जा सके जो अभी भी संचार का बहुत शक्तिशाली माध्यम हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने भारतीय लोक संगीत कला संस्थान. की भूमिका की सराहना की और राज्य के सभी हिस्सों में ऐसे नाटकों और कार्यशालाओं के मंचन के महत्व को रेखांकित किया ताकि रंगमंच नाटक के माध्यम से विभिन्न सामाजिक बुराइयों के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा की जा सके जो अभी भी संचार का बहुत शक्तिशाली माध्यम हैं।

जम्मू.क़श्मीर स्वास्थ्य विभाग के पूर्व उप निदेशक श्री तारा सिंह चरक ने भी इस विषय पर बात की और कलाकारों, सांस्कृतिक संगठनों से देश की सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाने में योगदान देने और युवा पीढ़ी को राष्ट्र की समग्र संस्कृति के संरक्षण में अपने बुजुर्गों के पदचिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। जम्मू, डोगराओं की भूमि जिसे डुग्गर भी कहा जाता है अपनी अनूठी संस्कृति के संदर्भ में विरासत में समृद्ध है जिसमें अनादि काल से विभिन्न घटक शामिल हैं। डुग्गर न केवल अपने लोगों की अतुलनीय बहादुरी, साहस और वीरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है बल्कि लोककथाओं, अनुष्ठानों, रीति.रिवाजों, जीवन शैली, लोक कलाओं, लोक नृत्यों और लोक.साहित्य के रूप में उजागर होने वाले ऐतिहासिक और निर्बाध सांस्कृतिक प्रवाह के लिए भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक मौखिक रूप से प्रसारित होता है।

स्कॉस्ट के उपकुलपति ने उपमुख्यमंत्री से भेंट की

जम्मू 15 जनवरी (हि.स.)। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय जम्मू के उपकुलपति डॉ. बी.एन. त्रिपाठी ने उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से भेंट की।

उपकुलपति ने विष्वविद्यालय के कल्याण और विकास से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की और इसके निवारण में सरकार से हस्तक्षेप करने की भी मांग की।

उपमुख्यमंत्री ने उपकुलपति को आष्वस्त किया कि वर्तमान सरकार विज्ञान एवं अनुसंधान के उच्च संस्थानों में शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मुद्दों के समाधान के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

ब्लॉक दिवस-पंचायत जंडोर में जन शिकायत एवं निवारण शिविर आयोजित

कठुआ 15 जनवरी (हि.स.)। जन शिकायतों एवं चिंताओं को दूर करने के लिए एडीडीसी कठुआ सुरेंद्र मोहन शर्मा ने पंचायत जंडोर ब्लॉक कीढ़ियां गंडियाल में ब्लॉक दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम में पूर्व पंचायती राज संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं व्यक्तियों ने भाग लिया, जिन्होंने जल जीवन मिशन कार्यों को शीघ्र पूरा करने, कैपेक्स के तहत किए जाने वाले विभिन्न कार्यों में तेजी लाने सहित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान उठाए गए अन्य मुख्य मुद्दों में पीएमजीएसवाई सड़कों का शीघ्र पूरा होना और सड़क संपर्क में सुधार शामिल हैं। सभा को संबोधित करते हुए एडीडीसी ने कहा कि ब्लॉक दिवस के तहत जन संपर्क कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य लोगों तक पहुंचना और उनकी शिकायतों को सुनना है, साथ ही लोगों के दरवाजे तक विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी और सेवाओं की श्रृंखला का विस्तार करना है। एडीडीसी ने उपस्थित लोगों से पीएमएवाई, पीएम मातृ वंदना योजना, मिशन युवा, विवाह सहायता योजना आदि जैसी विभिन्न सरकारी लाभार्थी उन्मुख कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। एडीडीसी ने लोगों को आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक मुद्दों को संबंधित विभागों के सक्रिय हस्तक्षेप से हल किया जाएगा। विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों ने विशेष शिविरों के साथ-साथ ब्लॉक दिवस के दौरान विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के महत्व को समझाते हुए अपनी सफलता की कहानियाँ सुनाई। उपस्थित अन्य लोगों में परियोजना अधिकारी आईसीडीएस, एसीडी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कठुआ, मुख्य कृषि अधिकारी कठुआ, तहसीलदार कठुआ, एक्सईएन आरडीडी, एडी फूड, डीएसडब्ल्यूओ, एसीपी, बीडीओ कीढ़ियां गंडियाल और अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी शामिल थे

सार्वजनिक सूचना

मैं, सेवा संख्या JC-502717H, रैंक NB SUB नाम देविंदर सिंह पुत्र करनैल सिंह वर्तमान में गांव-कल्याणा, पोस्ट-अरनिया, तह-आरएस पुरा, जिला-जम्मू-181131 में रहता हूं, तथा वर्तमान में यूनिट 7 सिख रेजिमेंट 274/टी कैंप, खानपुर सी/ओ 56एपीओ, नई दिल्ली-110062 में सेवारत हूं, मैं अपनी बेटी के नाम में सुधार के लिए आवेदन कर रहा हूं, जो मेरे सेवा अभिलेखों में गलती से कमलप्रीत कोर के रूप में दर्ज हो गया है, जबकि मेरी बेटी का सही नाम कमलप्रीत कौर है। यदि कोई आपत्ति हो, तो इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिनों के भीतर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा सकता है।

सार्वजनिक सूचना

मैं, तरसेम कौर कानूनी तौर पर जेसी-502717एच, रैंक एनबी सब नाम देविंदर सिंह की पत्नी हूँ, जो वर्तमान में गांव-कल्याणा, पी/ओ-अरनिया, तह-आरएस पुरा, जिला-जम्मू-181131 में रहती हूँ, मैं इस बात की पूरी निष्ठा से पुष्टि करती हूँ कि मैंने गलत प्रकाशन के कारण अपना नाम तरसेम कोर से बदलकर तरसेम कौर रख लिया है। मेरी जन्म तिथि 10/08/1988 (10 अगस्त 1988) है। तरसेम कौर और तरसेम कोर दोनों नाम एक ही व्यक्ति से संबंधित हैं। मैं अब से सभी अभिलेखों, कर्मों और लेखन में और लेन-देन से संबंधित सभी कार्यवाही में, निजी और सभी अवसरों पर केवल तरसेम कौर के रूप में जानी जाऊँगी।

उपायुक्त द्वारा किश्तवाड़ में जिला सुशासन सूचकांक ढांचे के तहत प्रगति की समीक्षा

किश्तवाड़ 15 जनवरी (हि.स.)। उपायुक्त किश्तवाड़ राजेश कुमार शवन ने लाइन विभागों की एक बैठक में जिले में जिला सुशासन सूचकांक के तहत हासिल की गई प्रगति की मासिक समीक्षा की। बैठक का उद्देश्य डीजीजीआई के पूर्वनिर्धारित मापदंडों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में शासन हस्तक्षेप के प्रभाव का आकलन करना था।

उपायुक्त ने कृषि, पशुपालन, बागवानी, रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, जल शक्ति, बैंकों और अन्य में क्षेत्र-विशिष्ट प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा की।

इसमें डीजीजीआई ढांचे के तहत शासन उपायों का मूल्यांकन करने और समय के साथ वर्तमान स्थिति और प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए संकेतकों का विश्लेषण करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उपायुक्त ने स्वास्थ्य क्षेत्र में डीजीजीआई संकेतकों, जैसे टीकाकरण, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और संस्थागत प्रसव के प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा जागरूकता शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से पिछले सूचकांकों का विश्लेषण करने, कमियों की पहचान करने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्हें पाटने की रणनीति तैयार करने का भी आग्रह किया। उपायुक्त किश्तवाड़ ने विभागीय अधिकारियों को डीजीजीआई ढांचे के भीतर विकासात्मक परिणामों को बढ़ाने के लिए उत्साह और समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जिसमें सुशासन प्रथाओं को अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। संबंधित विभागों को लक्ष्य प्राप्त करने के लिए समय-सीमा दी गई। बैठक में डीएसईओ किश्तवाड़ अखिल ठाकुर, एएलसी किश्तवाड़ ममता सुदर्शन, ईओ नगर पालिका किश्तवाड़ मिर्जा मुमताज इकबाल, सीएचओ किश्तवाड़ साजिद मुस्तफा, सीईओ किश्तवाड़ जावेद अहमद किचलू, डीएसएचओ किश्तवाड़, एक्सईएन पीएमजीएसवाई, एक्सईएन जल शक्ति और अन्य क्षेत्रीय प्रमुख उपस्थित थे।

सांबा पुलिस ने एम्स विजयपुर जम्मू के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

सांबा 15 जनवरी (हि.स.)। सांबा पुलिस ने एम्स विजयपुर जम्मू के सहयोग से जिला पुलिस लाइन सांबा में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें जांच कार्यवाही में साक्ष्यों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यशाला में राजपत्रित अधिकारियों, एसएचओ, जांच अधिकारियों और सांबा पुलिस के अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य जांच के दौरान शवों को संभालने के दौरान उठाए जाने वाले महत्वपूर्ण उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और अधिकारियों को शिक्षित करना था। डॉ. दिनेश राव प्रभारी फोरेंसिक के नेतृत्व में एम्स विजयपुर की टीम ने डॉ. वतुन चंद्रन और हरप्रीत सिंह के साथ आत्महत्या, फांसी, ओवरडोज से मौत और जांच कार्यवाही जैसे मामलों से निपटने के लिए आवश्यक प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी। विशेषज्ञों ने इन मामलों में साक्ष्य संग्रह के लिए सावधानियों और कदमों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें एम्स के संसाधन व्यक्तियों द्वारा प्रतिभागियों के प्रश्नों का अच्छी तरह से समाधान किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए एसएसपी सांबा ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला आयोजित करने का उद्देश्य जांच में अधिक व्यावसायिकता लाना और ऐसे संवेदनशील मामलों को संभालने वाले अधिकारियों के कौशल को बेहतर बनाना है।

भारतीय भाषा संगम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

जम्मू, 15 जनवरी (हि.स.)। जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग ने शिक्षा मंत्रालय के अधीन भारतीय शिक्षण मंडल एवं भारतीय भाषा समिति के साथ मिलकर भारतीय भाषा संगम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। कुलपति प्रो. संजीव जैन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सांबा के उपायुक्त राजेश शर्मा, जापान से पद्मश्री प्रो. तोमियो मिजोकामी, सीयूजे के रजिस्ट्रार प्रो. यशवंत सिंह और आईआईएमसी, जम्मू से प्रो. दिलीप कुमार सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं।

सम्मेलन की शुरुआत हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग के प्रमुख प्रो. भारत भूषण द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई जिन्होंने विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया।

कुलपति प्रो. संजीव जैन ने अतिथियों को भारतीय परंपरा और सम्मान के प्रतीक स्मृति चिन्ह और नारियल भेंट कर सम्मानित किया। पद्मश्री प्रो. तोमियो मिजोकामी ने अपने मुख्य भाषण में भारतीय भाषाओं में भारतीयता पर बात की। उन्होंने भारत की भाषाई समृद्धि को इसकी पहचान की आधारशिला बताया और विश्व शांति को बढ़ावा देने में भारतीय भाषाओं की भूमिका पर जोर दिया। प्रो. मिजोकामी ने संस्कृत, हिंदी, बंगाली, मराठी और तमिल सहित भारतीय भाषाओं में भाषाई समानताओं का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया और उनके साझा व्याकरणिक आधारों को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में प्रो. संजीव जैन ने अंग्रेजी-प्रधान प्रणाली के कारण शिक्षा में भारतीय भाषाओं के घटते उपयोग पर विचार किया और आगाह किया कि यह प्रवृत्ति भारत की प्रगति को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने भारतीय भाषाओं में शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए नई शिक्षा नीति (एनईपी) की प्रशंसा की और प्राकृत जैसी प्राचीन भाषाओं को पुनर्जीवित करने के लिए सरकारी पहलों पर प्रकाश डाला।

संपादकीय

केंद्र के साथ तालमेल में भला

समय की मांग है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ टकराव की स्थिति पैदा हो, क्योंकि केंद्र के साथ खराब संबंध निश्चित रूप से केंद्र शासित प्रदेश सरकार के अपेक्षित कामकाज में बाधा डालेंगे, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किए गए वादों को पूरा करने में अनावश्यक देरी होगी। यह हमेशा सलाह दी जाती है कि राज्य या केंद्र शासित प्रदेश सरकार को मौजूदा प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की नीतियों, निर्णयों और पहलों के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। केंद्र सरकार के विजन और कार्यों के साथ तालमेल बिठाकर काम करना, खासकर विकास, शासन और राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में, सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अन्यथा प्रगति इतनी धीमी हो सकती है कि लोगों का कल्याण लगभग असंभव हो सकता है। कुल मिलाकर, यह जरूरी है कि मुख्यमंत्री अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर में अन्य राजनीतिक दलों की बयानबाजी सुनकर बहक न जाएं और केंद्र सरकार के साथ टकराव और टकराव का विकल्प न चुनें, क्योंकि इससे चीजें मुश्किल हो जाएंगी।

विकास परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए केंद्र के साथ सहयोग करना, क्षेत्रीय मुद्दों को रचनात्मक तरीके से हल करना और क्षेत्र की विशिष्ट पहचान की अखंडता को बनाए रखते हुए लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देना जम्मू-कश्मीर में सत्ता में पार्टी का एकमात्र उद्देश्य होना चाहिए। यह निश्चित है कि टकराव का रास्ता राजनीतिक रूप से आकर्षक हो सकता है, लेकिन इसमें प्रगति को रोकने, विकास में देरी करने और क्षेत्र में पहले से ही नाजुक स्थिति को और जटिल बनाने की क्षमता है। लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करना सुनिश्चित करना चाहिए कि आवश्यक सुधार और संसाधन क्षेत्र में निर्बाध रूप से प्रवाहित हों।

यह सराहनीय है कि सीएम उमर अब्दुल्ला ने जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी की पहल की प्रशंसा की है क्योंकि अनावश्यक विरोध के बिना रचनात्मक बातचीत, गहन सहयोग के द्वार खोलेगी और उन्हें चुनने वाले लोगों के लिए एक उज्जवल भविष्य की प्राप्ति उनकी आशा की किरण है।

विकास की नई राह पर मध्य प्रदेश

-ऋतुपर्ण दवे

हर कहीं विकास की संभावना होती है। मध्य प्रदेश में भी अपार संभावनाएं हैं। संसाधनों व प्राकृतिक वरदान के चलते शहडोल में तो और भी ज्यादा है। जनजातीय बहुल इस क्षेत्र में खनिज तथा दूसरे प्राकृतिक संसाधन भरपूर हैं। जहां एक ओर कोयले का अकूत भण्डार है तो संभाग में तीन अलग-अलग क्षेत्रों में बड़े बिजली उत्पादन केन्द्र हैं। अमरकण्टक थर्मल पॉवर प्लाण्ट, चचाई, संजय गांधी ताप विद्युत केन्द्र बिरसिंहपुर पाली तो जैतहरी में मोजर बेयर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जिसे अब हिंदुस्तान पावर प्रोजेक्ट्स के नाम से जाना जाता है। शहडोल से करीब सिंगरौली भी वह जगह है जहां कोयला और बिजली दोनों का उत्पादन होता है। कहने का तात्पर्य यह कि विन्ध्य में यदि सबसे ज्यादा विकास की संभावनाएं कहीं हैं तो वह है शहडोल। कभी शहडोल का अकेला जिला आज संभाग में तब्दील होकर अपने पुराने स्वरूप को नए नाम से पा तो चुका है। बावजूद इसके अपने महत्व और उपलब्धियों को लेकर नए नाम और पहचान के लिए संघर्षरत है।

यह सच है कि भाजपा शासन के दौरान शहडोल को उसकी प्राकृतिक उपलब्धियों और प्रचुरता के चलते नया आयाम मिला। आज रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को लेकर शहडोल देश-विदेश को अपनी ओर इन्हीं खूबियों के चलते आकर्षित कर रहा है। 16 जनवरी को हो रहे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के लिए अब तक 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव सरकार को मिल चुके हैं। इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इसको लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा है कि उद्योग लगाने के लिए जो निवेशक मध्य प्रदेश आ रहे हैं उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने देंगे। निवेशकों की सुविधा के लिए हर जिले में इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर प्रारंभ किए गए हैं। जिला कलेक्टरों को इनका नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस प्रोत्साहित करने वाली नीतियां बनाई गई हैं। इसमें मध्य प्रदेश देश में चौथे स्थान पर है।

जहां तक शहडोल में उद्योग की संभावनाओं की बात है, यहां एक ओर जहां कोयले की प्रचुरता है तो दूसरी बड़े-बड़े पॉवर प्रोजेक्ट हैं। इसके अलावा रिलायंस का सीबीएम प्रोजेक्ट पहले ही शहडोल को देश में अलग मुकाम दिला चुका है। जमीन की भी कोई कमी नहीं है। शहडोल के अलावा बेहद करीब कोलफील्ड और ऊर्जा के हब के रूप में सिंगरौली है जो किसी तोहफे जैसा है। निश्चित रूप से किसी भी उद्योग के लिए ऊर्जा और जगह की खासियत अहम होती है। दोनों मामलों में शहडोल सौभाग्यशाली है। इतना ही नहीं, कभी यहां एशिया का दूसरा सबसे बड़ा कागज कारखाना, ओरियन्ट पेपर मिल बनी जो आज भी पूरी गति से संचालित है। कागज उद्योग की और भी संभावनाओं के साथ यहां पर खनिज प्रसंस्करण, गैस आधारित उद्योग और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश की भी अपार संभावनाएं हैं।

निश्चित रूप से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सोच उनकी दूरदर्शिता है जो उन्होंने प्रदेश के इस दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित आखिरी संभाग की खूबी को न केवल पहचाना बल्कि मूर्त रूप देने का प्रयास किया। शहडोल को विकास की गति देने में उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की भी महती भूमिका है। निश्चित रूप से मध्य प्रदेश का यह 7वां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव बेमिसाल होगा। बस एक कसक प्रकृति के अकूत वरदानों से भरे जनजातीय, आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व के इलाके की रह गई है कि काश संभाग का नाम नर्मदा संभाग होता और अनूपपुर जिले का नाम मां नर्मदा के नाम रेवाखंड जिला तथा उमरिया का नाम विश्व प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़ के नाम होता तो यह सोने में सुहागा जैसा होता। विश्वास है कि देर-सबेर यह भी होगा।

शहडोल की उपलब्धियों को गिनें तो यहां से देश की उस नदी 'नर्मदा' का उद्गम है जिसके दर्शन मात्र से पुण्य प्राप्त होता है। वहीं, सोन का भी उद्गम यहीं से होता है। अमरकण्टक शहडोल के पर्यटन उद्योग को चार चांद लगाने के लिए अलग धार्मिक, आध्यात्मिक केन्द्र जैसी पहचान रखता है। इस पवित्र नगरी के कायाकल्प के लिए राज्य सरकार पुरजोर कार्य कर रही है। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ेगा बल्कि मध्य प्रदेश के इस अनूठे प्राकृतिक स्थल को लोग बार-बार देखने आते हैं और आते रहेंगे। विश्वविख्यात नर्मदा और सोन का उद्गम अमरकण्टक का वैसे भी अलग स्थान है। जहां अमरकण्टक से निकली नर्मदा गुजरात के लिए वरदान कहलाती है तो सोन बिहार के लिए लाइफ लाइन से कम नहीं है।

अमरकण्टक की मेकल, विन्ध्य और सतपुड़ा पहाड़ियों की सुन्दरता और दर्जनों बल्कि सैकड़ों ऐसे स्थान हैं जहां प्राकृतिक हरियाली, कीमती जड़ी-बूटियां, प्राचीन तप स्थलियां और पहाड़ों की सुन्दरता देखते बनती है। जैसे-जैसे शहडोल औद्योगिक रूप लेगा निश्चित रूप से अमरकण्टक की वादियां और पुण्यता भी इसके विकास को चार चांद लगाएंगी। वहीं, विश्व विख्यात बांधवगढ़ भी शहडोल के गौरव को बढ़ाता है। दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बांधवगढ़ अम्बानी परिवार को भी खूब भाया।

शहडोल से सटा लालपुर दशकों तक विन्ध्य का जाना-माना निजी हवाई अड्डा था। यहां देश के बड़े उद्योगपति और कागज कारखाना अमलाई के मालिक अपने निजी विमान से उतरा करते थे। बाद में देश के कई प्रधानमंत्री इस जगह उतरे। आज मध्य प्रदेश शासन के भावी हवाई अड्डों में शहडोल के इसी लालपुर का नाम है जहां पर 1 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आए थे और पकरिया गांव के ग्रामीणों से न केवल संवाद किया बल्कि खाट पर बैठ कर देशी पत्तल में जनजातीय क्षेत्र के श्रीअन्न कोदो भात, कुटकी की खीर और दूसरे देशी व्यंजन खाए थे। आज शहडोल अपने नए रूप-रंग के साथ बांहे फैला कर सभी के स्वागत के लिए तैयार है तो लालपुर को इंतजार है कि शहडोल के विकास को हवाई जहाज के पंखों से गति मिले ताकि देश-विदेश के लोग सीधे शहडोल पहुंच सकें। वाकई शहडोल बदल रहा है और गढ़ने को तैयार है विकास के नित नए आयाम।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राजनैतिक पूंजी गंवा चुकी 'आआपा' के समक्ष किला बचाने की चुनौती

विकास सक्सेना

दिल्ली की सत्ता पर पिछले दस साल से काबिज आम आदमी पार्टी को इस बार के विधानसभा चुनाव में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के गर्भ से जन्मे इस राजनैतिक दल के नेता खुद भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिरे हुए हैं। जिस राजनैतिक जमा पूंजी के साथ इस राजनैतिक दल का गठन किया गया था, बीते एक दशक में ही उसके नेताओं ने इसे पूरी तरह गंवा दिया है। पार्टी की स्थापना के समय जो उच्च नैतिक मानदंड और आदर्श स्थापित किया गए थे वे दूर-दूर तक पार्टी नेताओं के व्यवहार में नजर नहीं आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल विपक्ष के साथ- साथ अपने पूर्व सहयोगियों के भी निशाने पर हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान अण्णा हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन शुरू हुआ। उस समय टू जी स्पेक्ट्रम, कामनवेल्थ गेम्स, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी और कोयला घोटाले जैसे लाखों करोड़ रुपये के घपलों के समाचार लगातार मीडिया की सुर्खियां बन रहे थे। तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के दौरान हुए घोटालों के खिलाफ सीएजी की रिपोर्ट और न्यायालय के आदेशों से लोगों को लगने लगा था कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग या तो खुद भ्रष्टाचार में लिप्त या भ्रष्टाचारियों को उनका संरक्षण प्राप्त है। लगातार दूसरी बार देश की सत्ता पर काबिज होने से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का दंभ चरम पर था। भ्रष्टाचार से जुड़े हर सवाल के जवाब में वे एक ही बात कहते नजर आते थे कि 2009 के आम चुनाव में दूसरी बार सत्ता सौंप कर देश की जनता ने उन्हें क्लीन चिट दे दी है। ऐसे में समाजसेवी अण्णा हजारे के नेतृत्व में इण्डिया अगेंस्ट करप्शन के बैनर तले दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया गया। इस आंदोलन की सिर्फ एक मांग थी कि देश में जनलोकपाल बनाया जाए। असीम शक्तियों से सम्पन्न यह जनलोकपाल देश से भ्रष्टाचार को खत्म कर देगा। इसी समय योग गुरू बाबा रामदेव ने भी विदेशों में जमा काले धन को वापस लाने की मांग को लेकर दिल्ली में आंदोलन शुरू किया। जिसे सरकार ने निर्ममता पूर्वक कुचल दिया।

देश की जनता राजनेताओं, बड़े कॉरपोरेट घरानों और नौकरशाही की दुरूभि संधि से दिनों-दिन बढ़ते भ्रष्टाचार को अपने दैनिक जीवन में महसूस कर रही थी। जनलोकपाल का जो खाका अण्णा हजारे के आंदोलन के समय पेश किया गया उसे देख कर लोगों ने महसूस किया कि इससे भ्रष्टाचार की समस्या पर काफी हद तक काबू किया जा सकेगा। लेकिन सत्ताधारी कांग्रेस के नेताओं ने जनलोकपाल बनाने की मांग का उपहास करते हुए आंदोलन से जुड़े नेताओं को खुद राजनीति में आकर इस तरह का कानून बनाने की चुनौती दी। अण्णा आंदोलन को देशभर में मिले व्यापक जनसमर्थन और तत्कालीन सत्ताधारी दल कांग्रेस के विरुद्ध तैयार हो रहे जनमत से उत्साहित आंदोलन से जुड़े कुछ नेताओं ने राजनैतिक क्षेत्र में व्याप्त गंदगी को साफ करने के लिए लिए स्वयं इस दलदल में उतरने की योजना बनाई। हालांकि अण्णा हजारे इस आंदोलन से जुड़े लोगों के राजनीति में उतरने के विचार से सहमत नहीं थे।

वैकल्पिक राजनीति के नए विचार के साथ अरविन्द केजरीवाल, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, शाजिया इल्मी आदि ने एक नया राजनैतिक दल बनाने की योजना तैयार की और इसे नाम दिया गया- आम आदमी पार्टी। इस राजनैतिक दल की औपचारिक घोषणा के लिए दिन चुना गया 26 नवम्बर 2012 का ताकि देश की जनता को भारत के संविधान के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का सीधा संदेश दिया जा सके। संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को ही देश के संविधान को स्वीकृति प्रदान की थी। इसी समय पार्टी की विचारधारा को स्पष्ट करते हुए अरविन्द केजरीवाल ने कहा था 'हम आम आदमी हैं। अगर वामपंथी विचारधारा में हमारे समाधान मिल जायें तो हम वहां से विचार उधार ले लेंगे और अगर दक्षिणपंथी विचारधारा में हमारे समाधान मिल जायें तो हम वहां से भी विचार उधार लेने में खुश हैं।' आम आदमी पार्टी की स्थापना के समय सबसे ज्यादा जोर देते हुए कहा गया कि अब तक देश की सत्ता पर काबिज रहे राजनैतिक दलों में तमाम प्रकार के दुर्गुण आ गए हैं। नया दल इन दुर्गुणों से मुक्त रहकर नए प्रकार से राजनीति करते हुए देश को वैकल्पिक राजनीति का मॉडल देगा। उस समय ऐलान किया गया कि इस दल में 'हाई कमान कल्चर' नहीं होगा, सभी निर्णय सामूहिक तौर पर लिए जाएंगे। पार्टी नेताओं को भ्रष्ट आचरण से दूर रखने के लिए पार्टी का अपना लोकपाल होगा जो सभी नेताओं की निगरानी करेगा।

बड़े-बड़े आदर्शों के साथ शुरू हुई आम आदमी पार्टी ने चंद महीनों के भीतर खुद को पारंपरिक राजनीति के अनुरूप ढालना शुरू कर दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2013 में पहली बार जनता की अदालत में पहुंची आम आदमी पार्टी के 28 उम्मीदवारों को लोगों ने विधानसभा पहुंचा दिया। सत्ता की चाह में बच्चों की कसम और सभी आदर्शों को भुलाकर अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना ली। इसके बाद एक-एक करके उन सारे आदर्शों को तिलांजलि दे दी गई जिनकी बात 26 नवम्बर 2012 को की गई थी। पार्टी के अधिकांश संस्थापक सदस्यों प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी, कुमार विश्वास आदि ही नहीं बल्कि पार्टी के आंतरिक लोकपाल एडमिरल रामदास तक को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को सादगी पूर्ण जीवन की बात कहते हुए छोटे मकान, छोटी कार और सीमित सुरक्षा की नसीहत देते थे लेकिन सत्ता में आते ही आआपा नेता उन सभी सुख-सुविधाओं को भोगते नजर आ रहे हैं जिसे लेकर वे राजनेताओं की तीखी आलोचना किया करते थे। खासतौर पर अरविन्द केजरीवाल पर कोरोना काल में अपने सरकारी आवास की मरम्मत पर 33 करोड़ रुपये खर्च करने के आरोप लगे। लाखों रुपये के पर्दे, टॉयलेट और टायल्स आदि को लेकर चर्चा में आया उनका आवास शीशमहल के तौर पर आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इसके अलावा अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन समेत पार्टी के तमाम नेता और मंत्री महिला उत्पीड़न, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में जेल की हवा खा चुके हैं। जहां तक हाईकमान संस्कृति की बात है तो ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल अब पार्टी के स्थायी राष्ट्रीय संयोजक हो चुके हैं। उनके शब्द पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अंतिम आदेश है और मुख्यमंत्री पद के एकमात्र दावेदार भी वही होंगे। अगर मजबूरी में कोई दूसरा मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर भी बैठेगा तो उसे 'भरत भाव' में रहना होगा।

भ्रष्टाचार विरोधी अण्णा आंदोलन के गर्भ से जन्मी आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी उसके नेताओं की भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रतिबद्धता और सादगी पूर्ण जीवन थी। लेकिन इन दोनों मामलों में आआपा नेताओं खासा निराश किया। पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद दिल्ली में जनलोकपाल बनाने की कोशिश करने वाली आआपा ने पंजाब में सरकार बनने के बाद जनलोकपाल का नाम भी नहीं लिया है। भ्रष्टाचार के आरोपित और सजायाफ्ता नेताओं के साथ मंच साझा किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं शराब घोटाले में जेल जाने के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा न देकर अरविन्द केजरीवाल ने आआपा की सारी राजनैतिक पूंजी गंवा दी। दिल्ली विधानसभा चुनाव सीधे तौर पर केजरीवाल के राजनैतिक अस्तित्व से जुड़ा है, ऐसे में उनके पास अपना राजनैतिक किला बचाने के लिए लोकलुभावन घोषणाओं का ही सहारा बचा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रयागराज कुंभ मेला सभी कुंभ त्योहारों में सबसे महत्वपूर्ण

परमभागवती डॉ रमा गोलवलकर

भारतीय पंचांग के अनुसार पौष पूर्णिमा के दिन से आरंभ होने वाले विश्व का सब से विशाल इसीलिए अद्भुत और अनुपमेय पर्व तीर्थराज विशेषण से प्रसिद्ध प्रयागराज में आरंभ होने जा रहा है। खगोलीय महत्त्व-सूर्यमाला का सब से बड़ा आकाशीय पिंड है बृहस्पति अर्थात गुरु नामक ग्रह। इसे सूर्य की परिक्रमा पूरी करने के लिए पूरे 12 वर्ष लगते हैं। इस ग्रह की गुरुत्वाकर्षण शक्ति इतनी प्रभावी है कि पृथ्वी से टकराने की संभावना वाले उल्का पिंड, धूमकेतु जैसे अन्य आकाशीय पिंडों को वह अपनी ओर खींच लेता है जिससे पृथ्वी की सुरक्षा होती है। गुरु ग्रह की इस महानता का हमारे व्यक्तिगत जीवन में भी गहरा प्रभाव होता है। गुरु और सूर्य दोनों महत्त्वपूर्ण ग्रहों की स्थिति पर आधारित यह पर्व समूचे विश्व का सबसे अनूठा और अद्भुत उत्सव है।

प्रत्येक 12 वर्षों के बाद जिस समय गुरु वृषभ राशि तथा सूर्य मकर राशि में होते हैं उस समय प्रयागराज के गंगा यमुना तथा गुप्त सरस्वती के संगम स्थान परकुम्भमेला लगता है। प्रयागराज में कुंभ मेला सभी कुंभ त्योहारों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

उसी प्रकार जब बृहस्पति कुंभ राशि में होता है और सूर्य मेष राशि में होता है, तब हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे कुंभ मेला लगता है। यह अवसर भी हर 12 वर्षों में एक बार आता है। जब बृहस्पति सिंह राशि में और सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करते हैं, तब गोदावरी नदी के किनारे त्र्यंबकेश्वर, नासिक में कुंभ का आयोजन होता है। यह भी 12 वर्षों के पश्चात ही संभव होता है। और जब बृहस्पति सिंह राशि और सूर्य मेष में होते हैं तब क्षिप्रा नदी के तट पर उज्जयिनि नगरी में कुम्भ मनाया जाता है।

निष्कर्ष :-विशिष्ट खगोलीय स्थितियों के अनुसार पूर्वनिर्धारित भौगोलिक स्थानों पर एकत्रित हो कर पूर्वनिश्चित कर्मकांडों का प्रयोग करने की यह परंपरा अपने आप को इस समूचे विश्व का एक घटक मानने को प्रेरित करती है। वैश्विक नागरिक होने की यह भावना और आस्था ही हमारे व्यक्तित्व को व्यापकता प्रदान करती है। बृहस्पति जैसा आकाशपिंड पूर्णतः वायु का अर्थात वात का बना है ।

वायु तत्त्व दिखाई नहीं देता किन्तु उसका अस्तित्व होता ही है। ज्ञान भी अमूर्त, निराकार, अदृश्य है तथापि सार्वत्रिक है। जीवित रहने के लिए वायुतत्त्व की आवश्यकता होती है। प्रतिक्षण चलने वाला श्वास इसी वायुतत्त्व के कारण है। आयुर्वेद के त्रिदोष सिद्धांत के अनुसार- जीवित शरीर में वात- पित्त- कफ में वात दोष वायुतत्त्व का ही अंश है। शरीर की हर गतिविधि और क्रियाकलाप, मज्जा संस्था का कार्य तथा मल विसर्जन जैसे दैनिक विधि से लेकर स्त्रियों में जनन प्रक्रिया जैसे जटिल कार्य तक वायु दोष पर निर्भर होता है। त्रिदोषों में वातदोष प्रधान है और वह अन्य दो दोषों को पित्त और कफ नियंत्रित करता है। अतः उसे 'अग्रणी' अर्थात नेता कहते हैं।

यद्यपि ज्योतिषीय आकलन के अनुसार वातदोष शनि ग्रह के नियंत्रण में है अपितु बृहस्पति या गुरु ग्रह का व्यापक प्रभाव शरीर की संरचना जैसे मोटापा या दुबलापन, संतति की प्राप्ति, वास्तु सुख, वाहन सुख आदि सभी पर होता है। जिसे बृहस्पति ग्रह की कृपा पाने वाला मनुष्य अत्यंत उत्साही और नव नवीन अनुभव लेने के लिए लालायित रहता है। वह शीघ्रकोपी भी होता है और क्षमाशील भी। ऐसे व्यक्तियों में प्रचंड ऊर्जा होती है, वे अत्यंत सृजनशीलऔर निर्मितीक्षम होते हैं। उनका वर्तन ज्ञानग्रहण और ज्ञानदान की प्रक्रिया में तालमेल, सामंजस्य निर्माण करने वाला होता है। वे ऐसी सभी गतिविधियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और वातावरण को हल्काफुल्का रखते हुए ज्ञानवर्धन के लिए पोषक बनाते हैं।

पीढ़ी दर पीढ़ी भारतीयों ने मौखिक परंपराअर्थात ध्वनिद्वारा ज्ञान प्रसारित किया, सँजोया। ध्वनि तरंगों का प्रसारण वायु के माध्यम से ही होता है। इस दृष्टि से भी वायु से बने गुरु ग्रह का महत्त्व हमारे पूर्वजों ने जाना।

सद्भावना गुणकः इन तथ्यों के साथ हमें यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि ऋग्वेद संहिता में 1.89 तथा वाजसेनीय संहिता में 25.14 में एक महत्त्वपूर्ण सूक्त है, जिस के द्रष्टा है ऋषी गौतम तथा देवता है विश्वदेव। इस सूक्त को शांतीपाठ सूक्त अथवा स्वस्तिमंत्र कहते हैं। इस का भावार्थ है - स्वस्ति अर्थात लोगों का कल्याण हो यह आशिर्वचन। शांति तथा कल्याण हेतु से नकारात्मक और विध्वंसक शक्तियों का शमन करने के लिए इन मंत्रों का उच्चारण किया जाता है। उसकी पहली ऋचा है -

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासो अपरीतास उद्भिदः। देवा नोयथा सदमिद् वृधे असन्नप्रायुवो रक्षितारो दिवेदिवे॥
अर्थ - चारों ओर सेहमारे पास ऐसे कल्याणकारी विचार आते रहें जो किसी से न दबें, उन्हें कहीं से बाधित न किया जा सके एवं अज्ञात विषयों को प्रकट करने वाले हों। प्रगति को न रोकने वाले और सदैव रक्षा में तत्पर देवता प्रतिदिन हमारी वृद्धि के लिए तत्पर रहें। हर तीन वर्ष में ऐसी गुरु और सूर्य के साथ चंद्रमा जैसे आकाशीय पिंडों के मेल से ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जहाँ विशिष्ट भौगोलिक स्थानों पर ये कल्याणकारी विचार हमारी दिशा में आतें हैं। इसी से सनातनी मानस के सात्विक सदिच्छा, सद्भावना गुणक गुडविल कोशंट का भरण - पोषण - संवर्धन होता है। प्रत्येक आरती सम्पन्न होने के पश्चात 'धर्म की विजय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो।' इस प्रार्थना की ऊर्जा आगामी तीन वर्षों के लिए इसी सात्विक सदिच्छा सद्भावना के महाकोश से प्राप्त होती है। तीन वर्ष बाद फिर एक बार कुम्भ मेले का आयोजन होता है तो इस महाकोश का पुनर्भरण होता है। इतनी बड़ी संख्या में सनातनी लोग कुम्भ मेले में सहभागी होते हैं। आधुनिक विश्व के ईवेंट आयोजकों के लिए ये सब से बड़ा आश्चर्य है कि ना इन्हें यहाँ आने को कोई बाध्य करता है, ना कोई आमंत्रित करता है औरनातो यहाँ आने के कोई पैसे देता है। तो फिर इतनी भारी संख्या में लोग यहाँ क्यों एकत्रित होते हैं? इस का मुख्य कारण है सनातनी मानसिकता में श्रद्धा, आस्था एवं भक्ति का अपूर्व संगम!

भारतीय ज्ञान परंपरा में जीवन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष माना गया है। इतने सहस्रकों से मोक्ष पाने की अभिलाषा हमें आनुवंशिकता में मिली है। अतः वह हमारे जनुकों में रच बस चुकी है। सनतानियों को बाल्य काल से हीयह प्रार्थना सिखाई जाती है- 'असतो मा सद्गमय7 तमसो मा ज्योतिर्गमय 7 मृत्योर्मा अमृतङ्गमय शांति शांति शांतिः-

सी आई एस एफ और वायुसेना की संघर्ष पूर्ण जीत

एजेंसी

नयी दिल्ली। सी आई एस एफ और भारतीय वायुसेना ने अपने अपने मैच जीत कर डीएसए प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। नेहरू स्टेडियम मैदान पर खेले गए करीबी मुकाबलों में सी आई एस एफ ने बमुश्किल तरुण संघा को 2-1 से और वायुसेना ने यूनाइटेड भारत को 3-0 से हराया। वहीं एक अन्य मैच में नेशनल यूनाइटेड एफ सी ने पिछले विजेता गढ़वाल एफ सी को 1-1 की बराबरी पर रोक कर महत्वपूर्ण अंक छीन लिया। सी आई एस एफ के लिए मोहम्मद खालिद और राजदीप ने गोल जमाए। तरुण संघा का गोल ओलेन सिँह ने किया। गढ़वाल और नेशनल के मध्य खेले गए मैच में नेशनल ने अधिकांश समय दबदबा बनाया। हालांकि 14 वें मिनट में मुस्तफा के गोल से गढ़वाल ने बढ़त बनाई लेकिन नेशनल ने लगातार हमलावार रुख अपनाकर सीमन विश्वास के गोल से बराबरी पाई। वायुसेना की जीत का आकर्षण प्लेयर ऑफ द मैच यश तेओटिया रहा, जिसने दो दर्शनीय गोल जमाए। एक गोल यशराज सिँह ने किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः बोपन्ना-निकोलस की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में हारी

मेलबर्न । भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और कोलंबिया के निकोलस बैरिएंटोस की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन पहले दौर में स्पेन की पेड्रो मार्टिनेज और जाउमे मुनार की जोड़ी से हारकर युगल स्पर्धा से बाहर हो गई। आज यहां करीब दो घंटे तक चले मुकाबले में बोपन्ना और बैरिएंटोस की जोड़ी को मार्टिनेज और मुनार की जोड़ी से 5-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। मैच की शुरुआत में भारत और कोलंबिया की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन वे आखिरी समय तक अपनी लय कायम नहीं रख सके और मुकाबला हार गये। पहले सेट में स्पेन की जोड़ी ने महत्वपूर्ण अंक अर्जित कर जीत दर्ज की। वहीं दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी पर चल रहा था अंततः स्पेनिश जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

सट्टेबाजी मामले में हिरासत में लिए गए सेविला के डिफेंडर सालास

मैड्रिड। सेविला के डिफेंडर किके सालास को पुलिस ने हिरासत में लिया और धोखाधड़ी के संदेह में मोरोन डे ला फ्रोंटेरा शहर की अदालत में पेश किया। 22 वर्षीय किके सालास पर अवैध सट्टेबाजी के लिए जानबूझकर पीले कार्ड हासिल करने का संदेह है, साथ ही कई अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जो उनके परिवार और परिचितों के करीबी माने जाते हैं।स्पेन के एल कॉन्फिडेंशियल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जांचकर्ताओं का मानना है कि सालास के परिवार और दोस्तों ने 10,000 यूरो प्रति माह जीतने के लिए लगभग 30 अलग-अलग दांव लगाए होंगे। जांच 2023-2024 सत्र के अंत में खेले गए कई मैचों पर केंद्रित है, जहां सालास को पिछले नौ मैचों में सात पीले कार्ड दिखाए गए थे, जिनमें से अधिकांश पीले कार्ड खेल के अंतिम मिनटों में आए थे।

प्रीमियर लीगः लिवरपूल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रा खेलकर छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी

लंदन। लिवरपूल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर प्रीमियर लीग में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। फॉरेस्ट के स्ट्राइकर क्रिस वुड ने अपने शानदार सत्र को जारी रखते हुए, आठवें मिनट में एक तेज जवाबी हमले के बाद बाएं पैर से गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। लिवरपूल ने 66वें मिनट में बराबरी हासिल की, जब कोच आर्ने स्लॉट के प्रतिस्थापन ने काम किया, उन्होंने कोस्टास सिमिकास की जगह डिओगो जोटा को मैदान में उतारा, जिन्होंने मैदान में आने के एक मिनट बाद ही गोल कर लिवरपूल को 1-1 से बराबरी दिला दी। लिवरपूल ने अंतिम मिनटों में दबदबा बनाए रखा और मैच ड्रा करा लिया, इस परिणाम के साथ फॉरेस्ट ने आर्सेनल से आगे निकलकर दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया, हालांकि आर्सेनल अगर बुधवार को जीतता है तो लिवरपूल की बढ़त को चार अंकों तक सीमित कर सकता है।चेल्सी और बोर्नमाउथ ने 2-2 से रोमांचक ड्रा खेला, जिसमें मेहमान टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 की बढ़त हासिल की, इससे पहले रीस जेम्स ने 95वें मिनट में बराबरी कर ली।

14वें मिनट में चेल्सी ने वापसी की, लेकिन एंटोनी सेमेनियो पर पुश के बाद जस्टिन क्लुइवर्ट द्वारा दिए गए पेनल्टी ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद सेमेनियो ने 68वें मिनट में व्यक्तिगत प्रयास करते हुए बोर्नमाउथ को आगे कर दिया। 95वें मिनट में जेम्स ने निचले कोने में फ्री-किक से गोल कर चेल्सी को 2-2 से बराबरी दिला दी।

भारतीय महिलाओं ने दक्षिण कोरिया को 157 अंकों से हराकर रचा इतिहास

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने खो खो विश्वकप के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 175-18 से ऐतिहासिक जीत की। आज रात इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने बेहतरीन ड्रीम रन और शानदार रक्षात्मक रणनीतियों के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन करते टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल की। भारतीय टीम के आगे दक्षिण कोरिया की टीम संघर्ष करती नजर आई। चैत्रा बी, मीरू और कप्तान प्रियंका इंगले ने लगातार ड्रीम रन बनाकर भारतीय टीम के लिए लय बनाई। पहले दो बैच ने एक-एक अंक अर्जित किया। इस रणनीतिक शुरुआत ने दक्षिण कोरिया द्वारा पहले टर्न के अंत में हासिल किए गए 10 टचपॉइंट को बेअसर करने में मदद की। अपने हक में हालात के आते ही भारतीय टीम ने पूरी ताकत से हमला किया। नसरीन शेख, प्रियंका इंगले और रेशमा राठौड़ की गतिशील

तिकड़ी के नेतृत्व में, केवल नब्बे सेकंड में, टीम ने डिफेंडरों के खिलाफ तीन ऑल आउट जीत हासिल की, जिससे स्कोर 24 हो गया। केवल 18 सेकंड बाद, उन्होंने दक्षिण कोरिया पर चौथा ऑल आउट किया, जिससे उनकी बढ़त 22 अंकों की हो गई। रेशमा राठौड़ ने प्रभावशाली छह टचपॉइंट के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जबकि मीनू ने अन्य डाइव के माध्यम से 12 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम का स्कोर काफी बढ़ गया। दूसरे टर्न के आखिर तक भारतीय टीम ने 16 बैचों को खत्म कर दिया, जिससे स्कोर 94-10 हो गया। तीसरे टर्न में भी भारतीय महिलाओं उसी तीव्रता को बनाए रखा और ड्रीम रन के माध्यम से तीन अंक जोड़े। दक्षिण कोरिया ने टर्न 3 की दूसरी पारी में केवल आठ अंक ही हासिल किए, जबकि भारत का दबदबा कायम रहा।अंतिम टर्न ने मैच पर टीम इंडिया के अटूट नियंत्रण को दर्शाया, जिसने अपने विरोधियों को कभी भी लय बनाने का मौका नहीं दिया। मैच का समापन भारत द्वारा दक्षिण कोरिया के 18 अंकों के मुकाबले 175 अंकों के विशाल स्कोर के साथ हुआ, जिसने टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण चरणों में प्रवेश करने के साथ ही अपने समूह की अन्य टीमों को एक जोरदार संदेश दिया। आज के मैच में भारतीय टीम की निर्मला भाटी को सर्वश्रेष्ठ अटैकर, दक्षिण कोरिया की एस्तेर किम को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर तभा भारतीय टीम की नसरीन शेख को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवजा गया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मेदवेदेव ने पहले राउंड में गुस्से में नेट पर लगा कैमरा तोड़ा

एजेंसी

मेलबर्न। रूस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मुश्किल शुरुआती राउंड में संयम खोते हुए नेट पर लगे कैमरे को अपने रैकेट से तोड़ दिया। मेदवेदेव ने बाद में धैर्यपूर्ण तरीके से खेले हुए यह मुकाबला जीत लिया। आज यहां दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने दुनिया में 418वें नंबर के प्रतिद्वंद्वी थाईलैंड के कासिडित समरेज खिलाफ तनावपूर्ण संघर्ष के दौरान पांच सेटों में 6-2, 4-6, 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। नेट पर लगे कैमरे को तोड़े जाने की यह घटना उस समय हुई जब तीसरे सेट के आखिर समरेज ने सर्विस करके मैच में 2-1 से बढ़त बना ली तो मेदवेदेव ने अपना संयम खो दिया। इसके बाद चेयर अंपायर ने मेदवेदेव को रैकेट के दुरुपयोग के लिए चेतावनी दी।

श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 1-0 से हराया

एजेंसी

रांची। श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में दिल्ली एसजी पाइपर्स के खिलाफ 1-0 से मामूली अंतर से जीत दर्ज की। आज यहां रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में कैथरीन मुलान (23') ने दूसरे क्वार्टर में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बंगाल टाइगर्स ने बढ़त को कायम रखने के लिए जी-जान से संघर्ष किया। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने पहले क्वार्टर में पांच मिनट शेष रहते दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन ग्रेस ओ'हैनलॉन ने शानदार बचाव करते हुए दिल्ली के प्रयास विफल कर दिये। टाइगर्स ने क्वार्टर के आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन गोल करने में विफल रहे। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने दूसरे क्वार्टर की

शुरुआत में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन स्टेफनी डी ग्रूफ के शॉट को ग्रेस ओ'हैनलॉन ने फिर से रोक दिया। पाइपर्स ने तीसरे क्वार्टर में अपनी गति और बढ़ा दी, जिसमें नवनीत कौर ने ओपन प्ले और पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने का प्रयास किया लेकिन वह अंतिम समय तक गोल करने में विफल रहीं। इस दौरान आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने 1-0 की मामूली बढ़त को बनाये रखते हुए मुकाबला जीत लिया।

भारतीय खो खो टीम ने ब्राजील को 64-34 से हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय पुरुष टीम ने खो खो विश्वकप में मंगलवार रात खेले गये मुकाबले में रणनीतिक कौशल का रोमांचक प्रदर्शन करते हुए ब्राजील पर 64-34 से जीत दर्ज की। यहो इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ब्राजील ने भारत के खिलाफ आक्रामक शुरुआत करते हुए 16 अंक हासिल किए, लेकिन भारतीय ने शानदार वापसी करते हुए ड्रीम रन के दौरान दो अंक अर्जित किए।

दूसरे टर्न में भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की और आखिर में टीम को प्रभावशाली 36 अंक दिलाए। लेकिन जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम जीत की ओर बढ़ रही हैं, तभी ब्राजील ने तीसरे टर्न में वापसी की। ब्राजील ने तीसरे टर्न में भारत पर दबाव बनाया, इस दौरान मौरो पिंटो, जोएल रोड्रिग्स और विशेष रूप से मैथियस कोस्टा ने छह टचपॉइंट बनाए। टीम ने कड़ी मेहनत की और अंततः वापसी की, भारत के 38 अंकों के जवाब में

प्रभावशाली 34 अंक बनाए, जिससे मैच के अंतिम सात मिनट बेहद रोमांचक हो गए। आदित्य गणपुले और कप्तान प्रतीक वाइकर की अगुआई में भारतीय टीम ने चौथे टर्न में बहुत अच्छी वापसी की। रोकेसन सिंह ने स्काई डाइव्स के जरिए चार अंक भी बनाए और मेहुल को दो टचपॉइंट मिले, जिससे मेजबान टीम ने खो-खो विश्व कप 2025 के दूसरे दिन शानदार जीत हासिल की। मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय टीम के पाबरी सबर को मैच का सर्वश्रेष्ठ अटैकर तथा प्रतीक वाइकर को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया। वहीं ब्राजील के मैथियस कोस्टा को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का पुरस्कार मिला।

वीजा देरी के कारण अबू धाबी में इंग्लिश टीम के प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा नहीं ले पाएंगे साकिब महमूद

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के भारत दौरे से पहले, इंग्लिश तेज गेंदबाज साकिब महमूद वीजा देरी के कारण अबू धाबी में अपनी टीम के प्रशिक्षण शिविर से चूक जाएंगे। साकिब को इंग्लैंड की वनडे और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि 22 जनवरी को सीरीज के अपने पहले टी20 मैच के लिए पूरी टीम के कोलकाता जाने से पहले वीजा की समस्या का समाधान हो जाएगा। पाकिस्तानी मूल के अंग्रेजी खिलाड़ियों के लिए वीजा में देरी एक परिचित समस्या है। इससे पहले 2024 में, इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर को वीजा मिलने में देरी के कारण हैदराबाद में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पहले टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया था। ईसीबी ने दिसंबर 2024 को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे

के लिए टीमों की घोषणा की, जिसमें तीन वनडे, पांच टी20 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शामिल है। पांच मैचों की टी-20 सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। तीसरा मैच 28 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। वनडे सीरीज 6 फरवरी को नागपुर के वीसीए स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा वनडे 9 फरवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अंतिम मैच 12 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है-

वनडे टीमः जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

टी20 टीमः जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

रूणे ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के रोमांचक मुकाबले में झांग को हराया

एजेंसी

मेलबर्न। डेनमार्क के स्टार टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूणे ने पांच

सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में चीन के झांग झिझेन को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के दूसरे दौर में जगह बना ली है।आज यहां मार्गरेट कोर्ट एरिना में तीन घंटे दस मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मकाबले में होल्गर रूणे ने झांग झिझेन पर 4-6, 6-3, 6-4, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की।अगले दौर में रूणे का मुकाबला इटली के माटेओ बेरेटिनी से होगा।

बुमराह और सदरलैंड ने जीता 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

एजेंसी

दुबई। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के खिताब से नवजा गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दिसंबर 2024 के प्लेयर ऑफ द मंथ की घोषणा की। बुमराह ने पैट कमिंस और डेन पैटर्सन को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। उन्हें दूसरी बार पुरुष वर्ग में आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना गया है। आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर सदरलैंड ने स्मृति मंधाना और एन म्लाबा को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता है। उनको भी दूसरी बार महिला वर्ग के आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के खिताब से नवजा गया है। बुमराह ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14.22 की औसत से 22 विकेट लिए थे। आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर

सदरलैंड ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में एक शतक के साथ 122 रन बनाए थे तथा छह विकेट लिए थे। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों में 147 रन बनाने के साथ ही तीन विकेट झटके थे। पुरस्कार जीतने के बाद बुमराह ने कहा, दिसंबर के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर मैं रोमांचित हूं। व्यक्तिगत रूप से पुरस्कृत होना हमेशा अच्छा होता है और अपने प्रयासों के लिए पहचाना जाना हमेशा अच्छा लगता है। ऑलराउंडर सदरलैंड ने कहा, दिसंबर हमारे लिए एक शानदार रहा और टीम की सफलता में योगदान दे पाना अच्छा रहा।

गिल रहेंगे पंजाब की रणजी टीम के लिए उपलब्ध

एजेंसी

नयी दिल्ली। खराब फॉम से जूझ रहे भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने 23 जनवरी से बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में पंजाब के कर्नाटक के साथ छठे दौर के रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहने की पुष्टि की है। रणजी ट्रॉफी के छठे दौरे के लिए पंजाब ने टीम की घोषणा नहीं की है। अगर पंजाब की टीम में गिल की वापसी होती है तो उन्हें रणजी इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी और पंजाब के कोच के साथ काम करने का अवसर प्राप्त होगा। भारतीय टीम को गर्मियों में इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैच खेलने है। टीम में वापसी को लेकर गिल को अपनी फार्म में सुधार करना होगा। पंजाब के लिए गिल आखिरी बार 2022 में रणजी ट्रॉफी में खेले थे। पंजाब टीम वर्तमान में ग्रुप ए में पांच मैचों में एकमात्र जीत के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य

चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शीर्ष खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद अपने-अपने राज्य की टीमों के लिए खेलने को उपलब्ध कराये जाने की बात कही है।

फार्म के लिए रोहित ने किया मुम्बई प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास

एजेंसी

मुम्बई। खराब फार्म से जूझ रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड की शुरुआत से पहले वानखेड़े स्टेडियम में मुम्बई की टीम के साथ दो घंटे तक अभ्यास किया। रोहित छठे राउंड में जम्मू कश्मीर के खिलाफ होने वाले मैच से पहले एक सप्ताह तक अभ्यास करेंगे। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह मैच में खेलेंगे या नहीं। मुख्य कोच ओमकार साल्वी की सलाह से ग्रुप के साथ प्रशिक्षण लेने की उनकी उत्सुकता को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वह कम से कम दो शेष मैचों में से एक के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन इस सप्ताह के आखिर में टीम की घोषणा कर सकती है।रोहित की अपनी प्रथम श्रेणी टीम के साथ ऐसे समय वापसी हुई जब कि उनके टेस्ट भविष्य को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।

सिडनी टेस्ट के बाद भारत के

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट खिलाड़ियों के लिए घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अधिक से अधिक खेलने के महत्व पर बल दिया था। उन्होंने कहा था कि खेल में बहुत सी चीजे बदलती हैं। फॉर्म बदलती हैं, लोग बदलते हैं, रवैया बदलता है। खेल में सब कुछ बदल जाता है और हम सभी जानते हैं कि पांच महीने का समय बहुत लंबा होता है। इंग्लैंड सीरीज से पहले देखते हैं कि क्या होने वाला है। लेकिन जो भी होग वह भारतीय क्रिकेट के सर्वोत्तम हित में होगा। गत रणजी ट्रॉफी चैंपियन मुंबई वर्तमान में ग्रुप ए में पांच मैचों में तीन जीत के साथ तीसरे स्थान पर हैं, दूसरे स्थान पर मौजूद जम्मू और कश्मीर से केवल एक अंक पीछे हैं।

चेन्नइयन एफसी पर लीग डबल पूरा करना मोहम्मडन स्पोर्टिंग का लक्ष्य

एजेंसी

कोलकाता। मोहम्मडन एससी की टीम अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में चेन्नइयन एफसी की मेजबान करेगी, तो उसका लक्ष्य अपना पहला लीग डबल हासिल करना होगा जबकि मरीना माचान्स किसी नई-नवेली टीम के हाथों ऐसी शर्मनाक स्थिति से बचना चाहेंगे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने अपने पिछले तीन मैचों (1 जीत, 2 ड्रा) में अपराजित रहकर रक्षात्मक मजबूती दिखाई है, जिसमें उनकी पिछले अवे मैच में बेंगलुरू एफसी पर 1-0 की जीत भी शामिल है। वहीं, चेन्नइयन एफसी घर से बाहर अपने पिछले तीन मैच बिना गोल किए हारी है।

मोहम्मडन एससी 15 मैचों में दो जीत, चार ड्रा और नौ हार से 10 अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, चेन्नइयन एफसी 15 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और सात हार से 16 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है। मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में हैडर के जरिये छह गोल खाए हैं, जो संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। चार हैडर से गोल करने वाली चेन्नइयन एफसी मेजबान टीम की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मोहम्मडन (26) ने चेन्नइयन

एफसी (22) की तुलना में ज्यादा बड़े मौके बनाए हैं, लेकिन उसकी 19.2फीसदी की रूपांतरण दर लीग में सबसे कम है। चेन्नइयन एफसी अपने पिछले तीन अवे मैचों में गोल करने में विफल रही है। लाडिनपुइया प्रति मैच 6.2 बार कब्जा फिर हासिल करते हैं, अब तक 21 टैकल किए हैं और 77त्न सटीकता के साथ प्रति मैच 32 पास किए हैं। रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने ब्लैक पैंथर्स को अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, मैं इन खिलाड़ियों के साथ काम करके काफी खुश हूं। जीत ने हमारे अंदर सकारात्मकता पैदा की है। मैं अपने खिलाड़ियों से खुद पर यकीन करने के लिए कहता रहता हूं। मरीना माचान्स के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल ने अपनी टीम से रक्षात्मक रूप से अधिक अनुशासित रहने को कहा।उन्होंने कहा, हम अभी भी सामान्य खेल रहे हैं। हमें अपना स्तर वापस पाने की कोशिश करनी होगी। हमें डिफेंस में कड़ी मेहनत करनी होगी और अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम मैच जीतना शुरू कर देंगे। बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला हुआ है, जिसमें मोहम्मडन स्पोर्टिंग पहली जीत का स्वाद चखा था। मोहम्मडन एससी ने चेन्नइयन एफसी को 1-0 से हराया था।

रबी फसल की बुवाई 632 लाख हेक्टेयर से ज्यादा, गेहूं और दालों के रकबे में उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इस साल रबी फसल की बुवाई 632 लाख हेक्टेयर से ज्यादा हो चुकी है। पिछले साल की इसी अवधि के दौरान 315.63 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस साल लगभग 320 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती की गई है। इसके साथ ही 139.81 लाख हेक्टेयर में दलहन की खेती की गई है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि अन्न और मोटे अनाज के तहत 53.55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खेती की गई। आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले साल की इसी अवधि के 315.63 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष करीब 320 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 139.81 लाख हेक्टेयर में दलहन की खेती की गई। वहीं, मोटे अनाज के तहत 53.55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खेती की गई है। कृषि मंत्रालय की ओर से जारी कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 14 जनवरी, 2025 तक रबी फसलों के तहत बुवाई क्षेत्र कवरेज की प्रगति रिपोर्ट भी जारी की है, जिसे आप इसे नीचे दिए गए टेबल में देख सकते हैं।

रुपया 17 पैसे चढ़ा

मुंबई। तेल आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर लिवाली कमजोर पड़ने की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 86.53 रुपए प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.70 रुपए प्रति डॉलर के सार्वकालिक निचले स्तर पर रहा था। कारोबार की शुरूआत में रुपया 18 पैसे की बढ़ोतरी लेकर 86.52 रुपए प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान बिकवाली होने से 86.49 रुपए प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली के दबाव में यह 86.70 रुपए प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 86.70 रुपए प्रति डॉलर की तुलना में 17 पैसे मजबूत होकर 86.53 रुपए प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

ईईटी फ्यूल्स ने डीकार्बोनाइजेशन रणनीति में निवेशकों का भरोसा बढ़ाया

नयी दिल्ली। एस्सार ऑयल (यूके) लिमिटेड की प्रमुख इकाई ईईटी फ्यूल्स ने अपनी डीकार्बोनाइजेशन रणनीति, बाजार की स्थिति और रणनीतिक महत्व पर निवेशकों का विश्वास दर्शाते हुए नई वित्तपोषण सुविधाएं हासिल की हैं। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि उसने ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा देने और औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन में 95 प्रतिशत तक कटौती के लक्ष्य को हासिल करने की योजना बनाई है। इसमें स्टैनलो रिफाइनरी को एक ऊर्जा ट्रांजिशन केंद्र के रूप में विकसित करना शामिल है, जिसमें औद्योगिक कार्बन कैप्चर, कम-कार्बन हाइड्रोजन उत्पादन और यूरोप का पहला हाइड्रोजन-ईंधन आधारित संयुक्त ताप और बिजली संयंत्र शामिल होगा। कंपनी का उद्देश्य औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन के लिए वैश्विक मानक स्थापित करना है। ईईटी फ्यूल्स ने इस तिमाही में 35 करोड़ डॉलर के पुनर्वित्तपोषण समझौते पर सहमति व्यक्त की, जिसमें नए बैंक वित्तपोषण और मौजूदा व्यापार ऋण वित्तपोषण का संयोजन शामिल है। यह घोषणा अक्टूबर 2024 में एबीएन एमरो बैंक के साथ 65 करोड़ डॉलर की वित्तपोषण सुविधाओं के विस्तार के बाद आई है। नई वित्तपोषण सुविधाओं में तहत अफ्रीकी निर्यात-आयात बैंक अफ्रेक्सिमबैंक) के साथ 15 करोड़ डॉलर की सुविधा, जो अफ्रीकी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अधिकृत है तथा एक अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनी के साथ व्यापार ऋण वित्तपोषण सुविधा, जिसे 30 करोड़ डॉलर से बढ़ाकर 50 करोड़ डॉलर कर दिया गया है। इन नई व्यवस्थाओं से ईईटी फ्यूल्स को अपनी बैलेंस शीट मजबूत करने, व्यापार भागीदारों के साथ संबंध गहरा करने और नए अफ्रीकी बाजारों में अपनी उपस्थिति स्थापित करने में मदद मिलेगी।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में इंडस टावर्स ने लगाए 180 नए टावर

नयी दिल्ली। महाकुंभ 2025 को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए दूरसंचार बुनियादी ढांचा प्रदाता इंडस टावर्स ने पूरे मेला क्षेत्र में 180 नए टावर लगाकर डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के साथ साझेदारी की गई है। कंपनी का प्रयास महाकुंभ मेला 2025 के दौरान सभी तीर्थयात्रियों और प्रयागराज के लोगों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। डस टावर्स प्रयागराज में 180 टावरों को तैनात करके निर्बाध संचार को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें शहर में दीर्घकालिक संपर्क प्रदान करने के उद्देश्य से 110 स्थायी टावर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, महाकुंभ मेला मैदान के भीतर महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 70 सेल ऑन व्हील्स टावर स्थापित किए गए हैं। कंपनी ने कहा कि 180 नए टावरों की स्थापना से न केवल संचार में काफी सुधार होगा बल्कि नए डिजिटल रास्ते भी तैयार होंगे। लाखों श्रद्धालु अपने प्रियजनों के साथ जुड़े रहेंगे और निर्बाध रूप से आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करती है।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का शेयर पहले दिन के कारोबार में 55 फीसदी चढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड कंपनी का शेयर 290 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 55 फीसदी की तेज बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना 290 करोड़ जुटाने की है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 1,795 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी शेयर ने बॉम?बे स?टॉक एक?सचेंज (बीएसई) पर 28.96 फीसदी की तेजी के साथ 374 रुपये पर शुरुआत की। हालांकि, बाद में यह 54.74 फीसदी की तेजी के साथ ऊपरी सर्किट सीमा 448.75 रुपये पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स?टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर

यह शुरुआती कारोबार में 27.58 फीसदी चढ़कर 370 रुपये हो गया, जो बाद में 53.10 फीसदी के उछाल के साथ ऊपरी सर्किट सीमा 444 रुपये पर बंद हुआ। शेयर बाजार के मुताबिक मात्रा के लिहाज से बीएसई पर कंपनी के 15.38 लाख शेयरों और एनएसई में 146.76 लाख शेयरों का आदान-प्रदान हुआ। क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 185.82 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने इश्यू का मूल्य दायरा 275-290 रुपये प्रति शेयर तय किया था। यह आईपीओ पूरी तरह 290 करोड़ रुपये के नए शेयरों पर आधारित था। इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं थी। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करेगी। रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड एक रिसर्च बेस्ड कंपनी है। यह भारतीय रेलवे के लिए न्यू जनरेशन के ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम तैयार करती है। यह सिस्टम रेल यात्रियों को हाईएस्ट लेवल की सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करता है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉन बीम विकिरण केंद्र के साथ एक विशेष केबल विनिर्माण सुविधा भी प्रोवाइड करता है। कंपनी के प्रमोटर मोहित वोहरा, अमित धवन, अमृत सिंह रंधावा, रूपिंदर सिंह, विशेष अबरोल और विवेक अबरोल, एक जोत सिंह और राजबीर सिंह रंधावा हैं।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को एमएनआरई का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। खरे को नियमित नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक तत्काल प्रभाव से एमएनआरई का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सरकार की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तत्काल प्रभाव से इस नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। निधि खरे नियमित पदधारी की नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, इस पद पर कार्यरत रहेंगी। आधिकारिक आदेश के मुताबिक भारत सरकार ने 1992 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी निधि खरे को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। खरे को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत उपभोक्ता मामले विभाग में सचिव के रूप में उनकी वर्तमान क्षमता में यह अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

उल्लेखनीय है कि मणिपुर सरकार के अनुरोध पर प्रशांत कुमार सिंह को उनके मूल कैडर में वापस भेजे जाने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। वहीं, सिंह को मणिपुर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है, जहां मई, 2023 में कुकी और मैतेई समूहों के बीच पहली बार झड़प के बाद से जातीय हिंसा हो रही है।

हल्दी का उत्पादन पांच साल में दोगुना कर 20 लाख टन करने का लक्ष्य : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने और अगले 5 साल में उत्पादन दोगुना कर करीब 20 लाख टन करने में मदद करेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के उद्घाटन अवसर पर यह बात कही। उन्होंने इससे पहले पल्ले गंगा रेड्डी को इसका पहला अध्यक्ष नियुक?त करने का ऐलान किया। इस बोर्ड का मुख्यालय निजामाबाद में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का शुभारंभ पूरे देश में उत्सव के शुभ दिन पर हो रहा है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधि भी राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का हिस्सा होंगे। निर्यातकों और उत्पादकों के निकायों के प्रतिनिधियों को भी बोर्ड में जोड़ा जाएगा। गोयल ने कहा कि हल्दी को 'गोल्डन स्पाइस' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम हल्दी के प्रति जागरूकता फैलाने, निर्यात को प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र से जुड़े

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि नवगठित हल?दी बोर्ड महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, मेघालय और अन्य 20 राज्यों में फैले हल्दी किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान देगा। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हल्दी उत्पादन बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं और हल्दी बोर्ड के गठन से देश में हल्दी उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है। विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 62 फीसदी से अधिक है। वित?त वर्ष 2023-24 के दौरान 226.5 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की 1.62 लाख टन हल्दी और हल्दी उत्पादों का निर्यात किया गया।

एमएनआरई ने पीएम-सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के लिए परिचालन दिशा-निर्देश किए जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने पीएम-सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के तहत दो प्रमुख घटकों को लागू करने के लिए परिचालन दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीएम-सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी मॉडल और यूटिलिटी आधारित एकत्रीकरण मॉडल के लिए 'भुगतान सुरक्षा तंत्र' और 'केंद्रीय वित्तीय सहायता' घटक के कार्यान्वयन के लिए योजना दिशा-निर्देश अधिसूचित किए गए हैं। इन घटकों में भुगतान सुरक्षा तंत्र, आरईएससीओ (नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी) और उपयोगिता-आधारित एकत्रीकरण मॉडल के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक यह योजना उपभोक्ताओं के लिए छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए दो वैकल्पिक कार्यान्वयन मॉडल दिए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी

मॉडल, जहां तीसरे पक्ष की संस्थाएं छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में निवेश करती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बिना किसी अग्रिम लागत दिए केवल उपभोग की गई बिजली के लिए भुगतान करना पड़ता है। दूसरा यूटिलिटी-लेड एग्रीगेशन मॉडल, जहां डिस्कॉम या राज्य द्वारा नामित संस्थाएं व्यक्तिगत आवासीय क्षेत्र के घर की छतों पर सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करेंगी। इस योजना के तहत आवासीय क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी-आधारित ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सौर मॉडलों में निवेश को जोखिम मुक्त करने के लिए भुगतान सुरक्षा तंत्र के लिए 100 करोड़ रुपये की निधि तय की गई है, जिसे मंत्रालय की मंजूरी के बाद अन्य अनुदानों, निधियों और स्रोतों के माध्यम से पूरक किया जा सकता है। यह दिशा-निर्देश राष्ट्रीय पोर्टल https://www.pmsuryaghar.gov.in/ के जरिए उपभोक्ताओं द्वारा किए जाने वाले कार्यान्वयन के मौजूदा तरीके (कैपेक्स मोड) के अतिरिक्त हैं, और ये वैकल्पिक मॉडल योजना के राष्ट्रीय पोर्टल-आधारित कार्यान्वयन के पूरक होंगे।

श्रम सचिव सुमिता डावरा ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय के सचिव सुमिता डावरा ने भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कर्मकारों (बीओसीडब्ल्यू) 'निगरानी समिति की 16वीं हाइब्रिड बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत सभी सन्निमार्ण कर्मकारों की 100 फीसदी कवरेज का आग्रह किया गया। श्रम और रोजगार मंत्रालय की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) और प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (पीएमएसवाईएम) जैसी केंद्रीय योजनाओं के तहत पंजीकृत बीओसीडब्ल्यू श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्रम सचिव सुमिता डावरा की अध्यक्षता में आयोजित इस हाइब्रिड बैठक में श्रम कल्याण महानिदेशक, मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम आयुक्त, बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड के सचिव, केंद्रीय कल्याण आयुक्त और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और वित्तीय सेवा विभाग के प्रतिनिधियों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस उद्देश्य के लिए उपलब्ध उपकर निधि का उपयोग करने का आग्रह किया गया। गौरतलब है कि देशभर में लगभग 57.3 मिलियन श्रमिक 30 सितंबर, 2024 तक बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्डों के साथ पंजीकृत थे।

डेल्टा ऑटोकॉर्प की लिस्टिंग से निवेशक गदगद, आईपीओ निवेशकों को 30 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। डेल्टिक ब्रांड के नाम से इलेक्ट्रिक टू व्हीलर और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी डेल्टा ऑटोकॉर्प की आज स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 34.62 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 175 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 183 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर गिर कर 167.65 के स्तर तक भी आ गया। दोपहर 12 बजे ये शेयर 30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 169 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। डेल्टा ऑटो कॉर्प का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 342.18 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 178.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 624.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 314.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 50.54 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी हुए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 3.12 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर फेब्रिकेशन प्लांट और पेंटिंग प्लांट बनाने, नया प्रोडक्ट डेवलप करने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी के वित्तीय सेहत की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत हुई है। 2021-22 में कंपनी को 4.20 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो 2022-23 में बढ़कर 5.13 करोड़ रुपये और 2023-24 में 8.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 18 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 81.17 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक कंपनी को 4.81 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है, जबकि इस दौरान कंपनी 45.28 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

अप्रैल से अक्टूबर 2024 के दौरान कोयला आयात 3.1 फीसदी कम हुआ : कोयला मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का कोयला आयात वित्त वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में 3.1 फीसदी तक कम हो गया है। विदेशी कोयले पर निर्भरता घटाने और घरेलू कोयले का उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों से अप्रैल से अक्टूबर 2024 के दौरान देश के कोयला आयत में गिरावट दर्ज की गई है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कोयला आयात कम करने की सरकार की पहल ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 7 महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। पिछले वित?त वर्ष की उक्त अवधि के दौरान 15.4 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया था, जबकि इस वित?त वर्ष में 14.3 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया है, कोयला आयात में 3.1 फीसदी की कमी है। मंत्रालय ने कहा कि कोयला के आयात में इस कमी के बावजूद भारत में कोयला

आधारित बिजली उत्पादन में अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक 3.87 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। गैर-विनियमित क्षेत्र (बिजली क्षेत्र को छोड़कर) में अधिक गिरावट देखी गई है, जिसमें आयात में साल-दर-साल 8.8 फीसदी की गिरावट आई। इस अवधि में थर्मल पावर प्लांट के आयात में 19.5 फीसदी की तीव्र कमी आई है। हालांकि, बिजली क्षेत्र के लिए कोयले का आयात, विशेष रूप से आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के लिए, 38.4 फीसदी की वृद्धि हुई हे, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 21.71 मीट्रिक टन से बढ़कर 30.04 मीट्रिक टन हो गया है, क्योंकि ये संयंत्र पूरी तरह से आयातित कोयले पर निर्भर है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक बिजली क्षेत्र को छोड़कर गैर-विनियमित क्षेत्र ने आयात में और अधिक गिरावट का अनुभव किया है, यह सालाना आधार पर 8.8 फीसदी कम हुआ है। इससे पता चलता है कि भारत अपनी कोयला आपूर्ति में प्रभावी रूप से विविधता ला रहा है और विभिन्न उद्योगों में इसके उपयोग को अनुकूलित कर रहा है। उत्पादन के मोर्चे पर भारत के कोयला उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि हुई। यह अप्रैल-अक?टूबर 2024 की अवधि में 6.04 फीसदी बढ़कर 537.57 मीट्रिक टन हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा 506.93 मीट्रिक टन था। उल्लेखनीय है कि भारत का कोयला क्षेत्र इसकी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को सहारा देने में अहम भूमिका निभाता है। हालांकि, देश को घरेलू भंडारों से कोयले की मांग को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण कमी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर कोकिंग कोल और उच्च श्रेणी के थर्मल कोयले के लिए, जो पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में इस्पात उत्पादन जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों को सहारा देने के लिए कोयले का आयात आवश्यक है।

थोक महंगाई दर दिसंबर महीने में बढ़कर 2.37 फीसदी पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम जनता को झटका लगने वाली खबर है। दिसंबर महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर 2.37 फीसदी पर आ गई है। इससे पहले नवंबर महीने में थोक महंगाई दर 1.89 फीसदी पर थी, जबकि अक्टूबर में यह 2.36 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि प्याज, आलू, अंडे, मांस-मछली और फलों की थोक में कीमतें बढ़ने की वजह से डब्ल्यूपीआई पर आधारित थोक महंगाई दर दिसंबर में बढ़कर 2.37 फीसदी पर पहुंच गई है। डब्ल्यूपीआई आधारित महंगाई दर नवंबर 2024 में 1.89 फीसदी थी, जबकि दिसंबर, 2023 में यह 0.86 फीसदी रही थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दिसंबर, 2024 में घटकर 8.47 फीसदी रह गई, जबकि नवंबर में यह 8.63 फीसदी थी। सब्जियों की महंगाई नवंबर में 28.57

फीसदी के मुकाबले दिसंबर में 28.65 फीसदी रही। आलू की महंगाई 93.20 फीसदी के उच्चतम स्तर पर बनी रही, जबकि प्याज की महंगाई दिसंबर में बढ़कर 16.81 फीसदी हो गई।मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों में अनाज, दालें, गेहूं की महंगाई दिसंबर में कम हुई है। इसी तरह ईंधन और बिजली की महंगाई दिसंबर में घटकर 3.79 फीसदी हो गई, जो नवंबर में 5.83 फीसदी थी। इसके अलावा विनिर्मित वस्तुओं में महंगाई 2.14 फीसदी रही, जबकि नवंबर में यह दो फीसदी पर थी। उल?लेखनीय है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य कीमतों में कमी की वजह से दिसंबर, 2024 में घटकर चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई है।

अवाक्स अपैरल्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले ही दिन आईपीओ निवेशकों के पैसे डबल हुए

नई दिल्ली। अवाक्स अपैरल्स एंड ऑर्नामेंट्स के शेयरों ने आज अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार मुनाफा कराया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 133 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 139.65 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया है। अवाक्स अपैरल्स एंड ऑर्नामेंट्स का 1.92 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 260.42 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 140.46 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 372.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और दूसरे सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। 2005 में शुरू हुई ये कंपनी बुने हुए कपड़े का थोक कारोबार करती है।

शेयर बाजार में कमजोरी का सिलसिला थमा, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। इस तरह पिछले चार कारोबारी दिन से जारी गिरावट का सिलसिला आज थम गया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद से ही तेजड़िये और मंदड़िये एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश करने लगे, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल भी ऊपर-नीचे होने लगी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.22 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, पीएसई और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, एनर्जी, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, टेक और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर मजबूती बनी रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.69 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 423.62 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 417.05 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.57 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,073 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,869 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,097 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,528 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,960 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 568 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 5.74 अंक की मामूली बढ़त के साथ 76,335.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 505.60 अंक उछल कर 76,835.61 अंक तक पहुंचा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 169.62 अंक की तेजी के साथ 76,499.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 79.95 अंक की तेजी के साथ 23,165.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पूर्व गाजा में युद्धविराम संभव

एजेंसी

दोहा। गाजा में इजराइल और हमास के बीच लंबे समय से जारी युद्ध के थमने की संभावना बढ़ गई है। कतर की कोशिश है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले युद्धविराम समझौता लागू हो जाए। कतर ने दोनों पक्षों के सामने तैयार मसौदा प्रस्तुत किया है। इस पर अगले सप्ताह हस्ताक्षर होने की संभावना है। कतर ट्रिब्यून के अनुसार, अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने लुसैल पैलेस स्थित अपने कार्यालय में गाजा पट्टी में युद्धविराम वार्ता के लिए पहुंचे हमास के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह प्रतिनिधिमंडल डॉ. खलील अल के नेतृत्व में इनदिनों दोहा में है। अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने प्रतिनिधमंडल से युद्धविराम वार्ता की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस बीच व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने सोमवार को वाशिंटन में कहा कि गाजा युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौता करीब है। इसे राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के अंतिम सप्ताह में अंतिम रूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाइडेन ने रविवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। वह इस मामले के मध्यस्थ कतर के अमीर से भी बातचीत करेंगे। सुलिवन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जल्द ही मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से बातचीत करेंगे।

इमरान खान की पत्नी ने जज से कहा- हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने आज एक न्यायाधीश से कहा, यह कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया है। उनकी यह टिप्पणी न्यायाधीश ताहिर अब्बास सिपरा की अध्यक्षता वाली आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) में एक मामले की सुनवाई के दौरान आई। यह मामला रेंजर्स कर्मियों पर एक वाहन चढ़ाने के आरोप से संबंधित था। 'जियो न्यूज' चैनल के अनुसार, सुनवाई के दौरान जज ने बुशरा से कहा, इसमें कुछ समय लगा है, लेकिन कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया गया है। इस पर बुशरा बीबी ने जवाब दिया, यह कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया है। न्यायाधीश सिपरा ने इस पर असहमति जताते हुए आश्वासन दिया, हर जगह ऐसा नहीं है। न्याय प्रणाली अपनी खामियों के बावजूद काम कर रही है। अगर यह ध्वस्त हो गई, तो समाज का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। आप अन्य सुनवाई में भी मेरे सामने पेश हुई हैं। पीटीआई संस्थापक की पत्नी ने कहा, देश में कानून है लेकिन न्याय नहीं है। पीटीआई संस्थापक को संविधान की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए जेल में डाल दिया गया है। हमने जो कुछ सहा है, उससे कानून में हमारा विश्वास पूरी तरह से टूट गया है। दलीलों के बाद कोर्ट ने रमना पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में बुशरा को अंतरिम जमानत दे दी और राहत की अवधि 7 फरवरी तक बढ़ा दी।

ब्रिटेन के राजकुमार एडवर्ड फरवरी में नेपाल का करेंगे दौरा

काठमांडू। ब्रिटेन के राजकुमार एडवर्ड ने वर्ष 2025 के अपने विदेश दौरे की शुरुआत नेपाल से करने की घोषणा की है। वे 4 फरवरी को एक हफ्ते के लिए नेपाल दौरे पर आएंगे। ब्रिटेन के शाही परिवार की वेबसाइट पर राजकुमार एडवर्ड के नेपाल दौरे की जानकारी साझा की गयी है। एडवर्ड के साथ उनकी पत्नी सोफी के भी नेपाल आने की जानकारी दी गई है। हालांकि उनके दौरे को लेकर नेपाल सरकार की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। एडवर्ड ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और प्रिंस फिलिप के सबसे छोटे बेटे हैं। एडवर्ड से पहले 2015 में तत्कालीन राजकुमार हैरी नेपाल के 10 दिनों के दौरे पर आए थे। उस समय हैरी काठमांडू के अलावा पोखरा, बर्दिया और लमजुंग भी गए थे। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने वर्ष 1961 एवं 1986 में नेपाल की राजकीय यात्रा की थी।

श्रमिकों की हड़ताल से सिडनी में रेल सेवायें बाधित

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य (एनएसडब्ल्यू) की राजधानी सिडनी में बुधवार को श्रमिकों की हड़ताल के कारण सैकड़ों ट्रेन सेवाएं विलंबित या रद्द कर दी गई हैं। शहर में यात्रियों को बुधवार को रेल सेवा बाधित होने के बारे में बता दिया गया था क्योंकि इलेक्ट्रिकल ट्रेड्स यूनियन (ईटीयू) और रेल, ट्राम और बस यूनियन (आरटीबीयू) द्वारा लगाए गए कार्य प्रतिबंध प्रभावी हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया के 9न्यूज नेटवर्क ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे तक पूरे नेटवर्क में 200 ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गई थीं, जबकि सैकड़ों ट्रेनें देरी से चल रही है। व्यवधान से हर लाइन प्रभावित हुई है, कुछ स्टेशनों पर ट्रेनों के बीच लगभग 50 मिनट तक प्रतीक्षा करनी पड़ी है। कार्य प्रतिबंध संयुक्त रेल यूनियनों और एनएसडब्ल्यू राज्य सरकार के बीच लंबे समय से चल रहे वेतन विवाद में वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है।

नेपाल-भारत जेटीटी और जेडब्ल्यूजी की बैठक 21-22 जनवरी को नई दिल्ली में

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-भारत संयुक्त तकनीकी समिति (जेटीटी) और संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की ऊर्जा क्षेत्र पर बैठक 21 और 22 जनवरी को नई दिल्ली में होगी। हर 6 महीने के अंतराल पर होने वाली बैठक इस बार एक वर्ष के बाद होने जा रही है। इससे पहले सह सचिव के नेतृत्व वाली जेडब्ल्यूजी की बैठक पिछले साल 2 जनवरी और सचिव के नेतृत्व में संयुक्त निदेशक समिति (जेएससी) की बैठक 3 जनवरी, 2024 को हुई थी। ऊर्जा मंत्रालय के वरिष्ठ ऊर्जा विशेषज्ञ प्रबल अधिकारी ने बताया कि मौजूदा बैठक में नेपाल और भारत के बीच बनने वाली दो हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण और निवेश प्रारूप को अंतिम रूप देने पर चर्चा की जाएगी और संभव हुआ तो इस पर समझौते पर हस्ताक्षर की भी उम्मीद है। पिछले साल 21 दिसंबर को चितवन (नेपाल) में और भारत की ऊर्जा

सचिव-स्तरीय संचालन समिति ने 2027/28 में दोनों देशों के बीच तीसरी सबसे बड़ी इनरुवा-पूर्णिया 400 केवी अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन को पूरा करने पर सहमति व्यक्त की थी। इसी प्रकार समान क्षमता की एक और अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन, लमकी (डोडोधारा) - बरेली ट्रांसमिशन लाइन को 2028/29 में पूरा करने पर भी सहमति हो चुकी है। हालांकि, उस बैठक में इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण प्रारूप और निवेश प्रारूप पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी।बैठक में नेपाल ने इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण बुटवल-गोरखपुर 400 केवी अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन के समान तरीके से करने का प्रस्ताव रखा। नेपाल की ओर ट्रांसमिशन लाइन का हिस्सा नेपाल द्वारा स्वयं बनाया जा रहा है, जबकि भारत की ओर वाला हिस्सा नेपाल विद्युत प्राधिकरण और एक कंपनी द्वारा बनाया जा रहा है जिसके पास भारत की ट्रांसमिशन ग्रिड कंपनी के आधे शेयर हैं। नेपाल की तरफ से यह प्रस्ताव रखा गया है कि 25 साल के कार्यान्वयन और ट्रांसमिशन सेवा समझौते (आईटीएसए) के तहत बिजली प्राधिकरण इस ट्रांसमिशन लाइन के पूरे उपयोग और किराये (व्हीलिंग चार्ज) का भुगतान करेगा। इस बात पर अभी सहमति नहीं बन पाई है।

नेपाल ने हमास के कब्जे से छात्र की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज किए

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल ने हमास के कब्जे से नेपाली छात्र विपीन जोशी की रिहाई को लेकर कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने कतर और इजराइल के विदेश राज्यमंत्री से टेलीफोन पर वार्ता की है। हमास ने कुछ बंधकों की रिहाई की घोषणा की है। इसमें नेपाली छात्र विपीन जोशी का नाम नहीं है। विदेशमंत्री डॉ. राणा ने पहले कतर के विदेश राज्यमंत्री डॉ. मोहम्मद बिन अब्दुलाजिज अल-खुलाइफी से टेलीफोन वार्ता कर मदद मांगी।

खुलाइफी हमास और इजराइल के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं। विदेशमंत्री ने एक्स पर कहा है कि कतर के विदेश राज्यमंत्री ने नेपाली छात्र के रिहाई कराने का आश्वासन दिया है। मंगलवार देररात विदेशमंत्री राणा ने इजराइल के विदेश राज्यमंत्री गिडियन सार से भी टेलीफोन वार्ता की। राणा ने एक्स में कहा कि इजराइल नेपाली छात्र विपीन जोशी की रिहाई के लिए पहल कर रहा है।

काठमांडू से चीन के नागरिक का अपहरण करने वाले महाराष्ट्र के चार युवक नेपाल पुलिस की हिरासत में

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के सबसे व्यस्ततम पर्यटकीय क्षेत्र ठमेल से चीन के एक नागरिक का अपहरण कर भारत के तरफ ले जाने का प्रयास करते हुए चार भारतीय युवकों को नेपाल पुलिस ने भारतीय सीमा से 90 किलोमीटर पहले ही दबोच लिया। काठमांडू घूमने आए महाराष्ट्र के चार युवक पिछले तीन दिन से ठमेल के एक होटल में ठहरे हुए थे। इस दौरान एक चीनी नागरिक के साथ किसी बात पर अनबन होने के बाद इन युवकों ने मंगलवार देररात उसे अगवा कर अपनी कार से ले जाने की कोशिश की। काठमांडू क्राइम ब्रांच के एसएसपी सानू थापा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10 बजे ठमेल एरिया से यह जानकारी मिली। इसके बाद काठमांडू पुलिस सक्रिय हुई और सीसीटीवी के जरिए उस भारतीय नंबर प्लेट की गाड़ी

(स्कॉर्पियो) के बारे में पता लगाया जिसमें चीनी नागरिक को जबरन बैठाया गया था। पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए भारतीय सीमा से करीब 90 किलोमीटर पहले हेटौडा के पास रहे भीमफेदी के जंगल में इस गाड़ी (एमएच16डीजी 4904) को घेर लिया। पुलिस ने चीनी नागरिक और चारों आरोपितों को दबोच लिया। नेपाल पुलिस के अनुसार आरोपित युवकों की पहचान सातारा जिला निवासी 32 वर्षीय आशुतोष दत्तात्रेय, अहमदनगर के 30 वर्षीय अमोल करमाटे, 33 वर्षीय अमोल श्रीसत और गाड़ी चालक 40 वर्षीय अफसर शेख के रूप में की गई है। पुलिस ने अपहृत किए गए चीनी नागरिक के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री कीव नहीं जाएंगे

एजेंसी

ब्रातिस्लावा । स्लोवाक नेशनल काउंसिल के उपाध्यक्ष टिबोर गैस्पर ने कहा कि स्लोवाक प्रधान मंत्री रॉबर्ट फिको यूक्रेन के माध्यम से रूसी गैस पारगमन में रोक पर चर्चा करने के लिए कीव जाने की योजना नहीं बना रहे हैं।

श्री गैस्पर जो इन दिनों स्लोवाक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मास्को का दौरा कर रहे हैं, ने स्लोवाक गणराज्य की समाचार एजेंसी को बताया कि स्लोवाक प्रधान मंत्री की सुरक्षा चिंताओं के कारण यूक्रेनी राजधानी में बैठक शायद नहीं होगी। श्री फ़िको ने सोमवार को यूक्रेन के माध्यम से गैस पारगमन पर चर्चा करने के लिए यूक्रेनी राष्ट्रपति वलादिमोर ज़ेलेंस्की के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव रखा, जिसे हाल ही में रोक दिया गया था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक खुले पत्र में श्री फ़िको ने ज़ेलेंस्की को स्लोवाकिया और यूक्रेन

की सीमा के पास स्लोवाक क्षेत्र पर एक संयुक्त बैठक के लिए निमंत्रण दिया, जितनी जल्दी हो सके।इसके जवाब में, ज़ेलेंस्की ने सुझाव दिया कि फ़िको द्विपक्षीय बैठक के लिए शुक्रवार को कीव आएं। गैस्पर के अनुसार, दोनों नेता एक बैठक स्थल ढूंढेंगे जो दोनों पक्षों के लिए काम करेगा।

वेस्ट बैंक में इज़रायली हवाई हमले में 6 फ़िलिस्तीनी मारे गए

रामल्ला। वेस्ट बैंक में जेनिन शरणार्थी शिविर को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम छह फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि शिविर पर इजरायली हमले के बाद छह शव जेनिन सरकारी अस्पताल लाए गए थे। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इस बीच इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने एक बयान में कहा, इजरायल रक्षा बलों और शिन बेट के संयुक्त अभियान में, वायु सेना के एक ड्रोन ने हाल ही में जेनिन क्षेत्र में एक साइट को निशाना बनाया।

वियतनाम और रूस ने परमाणु ऊर्जा पर सहयोग बढ़ाने के समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

हनोई। रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन की दो दिवसीय हनोई यात्रा के दौरान परमाणु ऊर्जा पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वियतनाम और रूस ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया।

बढ़ती लागत और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2016 में दो परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण बंद करने के बाद दक्षिण पूर्व एशियाई देश अपनी परमाणु ऊर्जा योजनाओं को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। उम्मीद है कि इससे वर्ष 2050 तक उसे ऊर्जा-पर्याप्त बनने और अतिरिक्त ग्रीन हाउस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस समझौते पर रूस की सरकारी स्वामित्व वाली परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम और वियतनाम की सरकारी स्वामित्व वाली बिजली उपयोगिता ईवीएन के बीच हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मिशुस्टिन ने अपने समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की और वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख टू लैम और वियतनाम की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ट्रान थान मान से मुलाकात की। मिशुस्टिन ने कहा, .वयतनाम दक्षिण पूर्व एशिया में रूस का एक महत्वपूर्ण भागीदार है।

आज हम आपके साथ रूस और वियतनाम के बीच सहयोग की एक व्यापक योजना पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं, जो 2030 तक चलेगी अगले दिन बुधवार को वो राष्ट्रपति लुओंग कुओंग से भी मुलाकात करेंगे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसी

सियोल। पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के बाद विवादों और सुर्खियों में आए राष्ट्रपति यून सुक येओल को बुधवार सुबह 10:33 बजे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दक्षिण कोरिया में पद पर रहते किसी राष्ट्रपति को हिरासत में लेने का यह पहला वाकया है। उन्हें तीन दिसंबर को मार्शल लॉ घोषित करने के 43 दिन बाद हिरासत में लिया गया। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, जांच अधिकारियों ने उन्हें मध्य सियोल के हन्नम-डोंग स्थित राष्ट्रपति आवास से हिरासत में लिया। यहां से उन्हें ग्योंगगी प्रांत के ग्वानचेओन में उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) मुख्यालय ले जाया गया। हिरासत में लिए जाने से पहले यून ने एक रिकॉर्डेड संबोधन

जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि टकराव रोकने के लिए उन्होंने सीआईओ के सामने पेश होने का फैसला किया है। बताया गया है कि येओल को हिरासत में लेने के लिए लगभग 3,000 पुलिस अधिकारियों ने सुबह 4:20 बजे उनके आवास को घेर लिया। राष्ट्रपति आवास के सुरक्षा अधिकारियों और कर्मियों ने सामना भी किया मगर वह ज्यादा देर नहीं टिक सके। जांच अधिकारी सुबह 8:15 बजे येओल के करीब पहुंच गए।

राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ चुंग जिन-सुक और वकील यून कप-क्यून ने उन्हें औपचारिकता पूरी करने की अनुमति दी। उल्लेखनीय है कि नेशनल असेंबली में राष्ट्रपति येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित हो चुका है। इस पर संवैधानिक अदालत को फैसला करना है। अदालत में औपचारिक सुनवाई शुरू हो चुकी है। येओल पर विद्रोह और षडयंत्र रचने का भी आरोप है।

लॉस एंजिल्स में 92 हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी प्रांत कैलिफोर्निया के शहर लॉस एंजिल्स

के जंगल में लगी भीषण आग के कारण लगभग 92 हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया और अन्य 89 हजार लोगों को भी निकासी की चेतावनी दी गई है।.

लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ रॉबर्ट लूना ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई है और 12 से अधिक लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि आग फैलने का सबसे बड़ा कारण गंभीर सूखे की स्थिति और तेज हवाएं चलना है। इसमें अब तक तक 40,500 एकड़ से अधिक भूमि झुलस गयी है और 12,300 से अधिक संरचनाएं नष्ट हो गईं। कैलिफ़ोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ़ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन (कैल फायर) के अनुसार, सबसे बड़ी पलिसैड्स आग पर 14 प्रतिशत काबू पा लिया गया और दूसरी सबसे बड़ी ईटन में लगी आग पर सोमवार सुबह तक 33 प्रतिशत काबू पा लिया गया है। गौरतलब है कि भीषण आग के कारण कैलिफ़ोर्निया में 80 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन 15-17 जून तक आयोजित होगा

एजेंसी

ओटावा। जी7 देशों का शिखर सम्मेलन 15-17 जून को कनाडा के कनानास्किस में आयोजित किया जाएगा। समाचार एजेन्सी सीबीसी ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में बताया गया कि इस कार्यक्रम में अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, इटली और कनाडा के साथ-साथ यूरोपीय संघ के नेता भी भाग लेंगे। आयोजकों ने अभी तक विस्तृत विवरण नहीं दिया है। कनानास्किस ने 2002 में समूह आठ (जी8) के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जब रूस 2014 में बाहर किए जाने से पहले इस संघ का हिस्सा था। कनाडाई विदेश मंत्री मेलानी जोली ने इससे पहले कहा था कि कनाडा सात के समूह के अध्यक्ष के रूप में, समुद्री सुरक्षा, प्रतिबंधों के उल्लंघन के खिलाफ लड़ाई, 'शैडो फ्लीट' और पानी के नीचे बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के मुद्दों पर काम करने की योजना बना रहा है।

खैबर पख्तूनख्वा में सेना के अभियान में आठ आतंकवादी मारे गये

एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार 12-13 जनवरी 2025 को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग घटनाओं में आठ आतंकवादी मारे गये। बयान के मुताबिक सुरक्षा बलों ने टैंक जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन चलाया । सेना की कार्रवाई में छह आतंकवादी मारे गये। खैबर जिले की तिराह घाटी में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। इससे पहले उत्तरी वजीरिस्तान जिले में रविवार को दो अलग-अलग अभियान में नौ आतंकवादी मारे गए थे।

सेंटर फॉर अनुसंधान और सुरक्षा अध्ययन (सीआरएसएस) द्वारा जारी 2024 की रिपोर्ट के अनुसार कुल 444 आतंकवादी हमलों के बीच सुरक्षा बलों के कम से कम 685 जवान की जान चली गई। पिछला वर्ष पाकिस्तान के नागरिक और सैन्य सुरक्षा बलों के लिए एक दशक में सबसे घातक वर्ष साबित हुआ।

आईएसपीआर महानिदेशक के अनुसार सुरक्षा बलों ने पिछले साल कुल 59,775 अभियान छेड़े और इस दौरान 925 आतंकवादी मारे गए तथा 383 अधिकारी एवं सैनिक शहीद हुए।

बाइडेन ने अमेरिका में एआई बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक महत्वपूर्ण आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके जरिए अमेरिका में उन्नत (एडवांस्ड) एआई के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे, जैसे बड़े पैमाने पर डाटा केंद्र और नई स्वच्छ उर्जा सुविधाएं, का निर्माण सुनिश्चित करना है। इस कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि रक्षा और उर्जा विभाग उन स्थानों की पहचान करेंगें, जहां निजी कंपनियां एआई डाटा केंद्र बना सकें। इसके अलावा, इन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि वे अपने डाटा केंद्र के लिए पर्याप्त स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करें। एक बयान में, बिडेन ने कहा कि एआई का राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ेगा और अगर जिम्मेदारी से इसका उपयोग किया जाए तो अमेरिकियों के जीवन में सुधार करने की भारी क्षमता होगी। इससे बीमारियों का इलाज करने से लेकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम कर समुदायों को सुरक्षित रखने तक का काम किया जा सकेगा।अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि एआई के मुद्दे पर हम अपनी बढ़त को हल्के में नहीं ले सकते। जब भविष्य को परिभाषित करने वाली प्रौद्योगिकी की बात आती है तो हम अमेरिका को कमजोर नहीं होने देंगे।

विदाई से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन का फैसला, क्यूबा से हटेगा आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देश का दर्जा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी विदाई से पहले बड़े फैसले ले रहे हैं। उन्होंने अब क्यूबा देश से आतंकवाद प्रायोजित देश का दर्जा हटाने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस ने संसद से कहा है कि यह फैसला द्वीप पर बंद राजनीतिक कैदियों की रिहाई को लेकर कैथोलिक चर्च द्वारा किए गए समझौते का एक हिस्सा है। इसके अलावा बाइडन प्रशासन ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव कम करने का भी फैसला किया है। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि 20 जनवरी की दोपहर तक कई राजनीतिक कैदियों और अन्य लोगों को जिन्हें अमेरिका ने हिरासत में लिया था को रिहा कर दिया जाएगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि क्यूबा सरकार और कैथोलिक चर्च के बीच चल रही बातचीत को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाकर राष्ट्रपति बाइडन कई वैश्विक नेताओं और खासकर लैटिन अमेरिका के नेताओं के पसंदीदा बन गए हैं।

वहीं क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उसने भी पोप फ्रांसिस को बताया है कि वह क्यूबा में विभिन्न अपराधों में दोषी ठहराए गए 553 लोगों को रिहा करेगा। हालांकि क्यूबा के अधिकारियों ने रिहा किए जाने वाले लोगों के नाम नहीं बताए। माना जा रहा है कि बाइडन प्रशासन का क्यूबा से आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देश का दर्जा हटाने का फैसला अगले सप्ताह पलट सकता है। क्योंकि 20 जनवरी को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

शपथ लेंगे। ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में क्यूबा को आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों की सूची में शामिल किया था। अमेरिकी कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस सहित मानवाधिकार समूह और कार्यकर्ता, बाइडन पर क्यूबा को दिए गए दर्जे हटाने के लिए दबाव डाल रहे हैं।

बाइडन ने कैलिफोर्निया में की दो राष्ट्रीय स्मारकों की घोषणा

राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैलिफोर्निया में दो राष्ट्रीय स्मारकों की घोषणा की। बाइडन ने जोशुआ ट्री नेशनल पार्क के पास दक्षिणी कैलिफोर्निया में चकवाला राष्ट्रीय स्मारक और उत्तरी कैलिफोर्निया में साटिट्ला हाइलैंड्स राष्ट्रीय स्मारक का एलान किया। इस घोषणा को पिछले सप्ताह लॉस एंजिलिस में लगी आग के चलते रोक दिया गया था। राष्ट्रीय स्मारक घोषित होने के बाद चकवाला स्थल के 624,000 एकड़ और कैलिफोर्निया- ओरेगन सीमा के पास लगभग 225,000 एकड़ (800 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र में तेल और प्राकृतिक गैस की ड्रिलिंग, खनन , अन्य खोज और उत्पादन पहलों पर रोक लगाई गई है। राष्ट्रपति बाइडन ने अपने बच्चों को देश भर के राष्ट्रीय स्मारकों पर हर साल ले जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय स्मारक इस राष्ट्र का हृदय और आत्मा हैं। हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है कि इन्हें हम पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाते हैं।

चना देश की सबसे महत्वपूर्ण दलहनी फसल

चना देश की सबसे महत्वपूर्ण दलहनी फसल है। चने को दालों का राजा भी कहा जाता है। पोषक मान की दृष्टि से चने के 100 ग्राम दाने में औसतन 11 ग्राम पानी, 21.1 ग्राम प्रोटीन, 4.5 ग्राम वसा, 61.65 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 149 मि.ग्रा. कैल्शियम, 7.2 मि.ग्रा. लोहा, 0.14 मि.ग्रा. राइबोफ्लेविन तथा 2.3 मि.ग्रा. नियासिन पाया जाता है। इसकी हरी पत्तियां साग और हरा तथा सूखा दाना सब्जी व दाल बनाने में प्रयुक्त होती हैं। चने की दाल से अलग किया हुआ छिलका और भूसा पशु चाव से खाते हैं। दलहनी फसल होने के कारण यह जड़ों में वायुमंडलीय नाइट्रोजन स्थिर करती है, जिससे खेत की उर्वराशक्ति बढ़ती है। देश में चने की खेती मुख्य रूप से उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा बिहार में की जाती है। सबसे अधिक चने का क्षेत्रफल एवं उत्पादन वाला राज्य मध्य प्रदेश है।

चना एक शुष्क एवं ठंडी जलवायु की फसल है। इसे रबी मौसम में उगाया जाता है। इसकी खेती के लिए मध्यम वर्षा (60-90 सें.मी. वार्षिक) और सर्दी वाले क्षेत्र सर्वाधिक उपयुक्त हैं। फसल में फूल आने के बाद वर्षा का होना हानिकारक होता है। वर्षा के कारण फूल में परागकण एक दूसरे से चिपक जाते हैं, जिससे बीज नहीं बनते हैं। इसकी खेती के लिए 24 से-30 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त माना जाता है।

भूमि की तैयारी

चने की खेती दोमट भूमि से मटियार भूमि में सफलतापूर्वक की जा सकती है। चने की खेती हल्की से भारी भूमि में भी की जाती है, किन्तु अधिक जलधारण एवं उचित जलनिकास वाली भूमि सर्वोत्तम रहती है। मृदा का पी-एच मान 6-7.5 उपयुक्त रहता है। असिंचित अवस्था में मानसून शुरू होने के पूर्व गहरी जुताई करने से रबी के लिए भी नमी संरक्षण होता है। एक जुताई मिट् ?टी पलटने वाले हल तथा 2 जुताई देसी हल से की जाती है, पिफर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लिया जाता है।

प्रमुख किस्में

समय पर बुआई के लिए-जी.एनजी. 1581 (गणगौर), जी.एन.जी. 1958 (मरुधर), जी.एन.जी. 663, जी.एन.जी. 469, आर.एस.जी. 888, आर.एस.जी. 963, आरएस.जी. 973, आर.एस.जी. 986, देरी से बुआई के लिए-जी.एन.जी. 1488, आर.एसजी. 974, आर.एस.जी. 902, आर.एस.जी. 945 प्रमुख हैं।

काबुली चना

- एल 550 - यह 140 दिनों में पकने वाली किस्म है। इसकी उपज 10 से 13 क्विंटल/हेक्टेयर है। इसके 100 दानों का वजन 24 ग्राम है।
- सी-104 यह किस्म 130-135 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। यह औसतन 10 से13 क्विंटल/हेक्टेयर उपज देती है। इसके 100 दानों का वजन 25-30 ग्राम होता है।

अन्य किस्में जी.एन.जी. 1669 (त्रिवेणी), जी.एन.जी. 1499, जी.एन.जी. 1992।

चने की बुआई का समय

10 अक्टूबर से 5 नवम्बर

बीज की मात्रा

मोटे दानों वाला चना 80-100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर, सामान्य दानों वाला चना 70-80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर काबुली चना (मोटा दाना) 100-120 कि.ग्रा./हेक्टेयर।

बीजोपचार

1. बीज को पहले रासायनिक फफूंदीनाशक से उपचारित करने के बाद जैविक कल्चर से छाया में उपचारित कर तुरंत बुआई करें, जिससे जैविक बैक्टीरिया जीवित रह सकें।
2. फसल को उकठा रोग से बचाने के लिए बीज को बुआई के पूर्व फफूंदीनाशक वीटावैक्स पॉवर, कैप्टॉन, थीरम या प्रोवेक्स में से कोई एक 3 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। इसके पश्चात एक किलो बीज में राइजोबियम कल्चर तथा ट्राइकोडर्मा विरडी 5-5 ग्राम मिलाकर उपचारित करें।
3. बीज की अधिक मात्रा को उपचारित करने के लिए, सीड ड्रेसिंग ड्रम का उपयोग करें, जिससे बीज एक समान उपचारित हो सके।

उर्वरक

अच्छी पैदावार के लिए 20-25 टन सड़ी गोबर की खाद खेत की तैयारी के समय खेत में मिलाएं। उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर करें। नाइट्रोजन 20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर (100 कि.ग्रा. डाई अमोनियम फॉस्पेफट),फॉस्फोरस 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर, जिंक सल्फेट 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर।

देशी किस्में

- जे.जी. 315- यह किस्म 125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। औसत उपज 12 से 15 क्विंटल/हेक्टेयर है। इसके 100 दानों का वजन 15 ग्राम है एवं बीज का रंग बादामी है तथा देर से बोने के लिए उपयुक्त किस्म है।
- विजय: सर्वाधिक उपज देने वाली 90-105 दिनों में तैयार होने वाली यह किस्म है। यह सिंचित व असिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। इस किस्म में अधिक शाखायें व मध्यम ऊंचाई वाले पौधे होते हैं। उपज क्षमता 24-45 क्विंटल/हेक्टेयर है।
- जी.एन.जी.-2171 (मीरा) राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली जैसे उत्तरी- पश्चिमी मैदानी सिंचित क्षेत्रों के लिए अधिसूचित किस्म। दाना मध्यम आकार व सुनहरे रंग का, जड़ गलन, विल्ट व झुलसा रोग के प्रति सहनशील। लगभग 150 दिनों में पककर तैयार होती है और उपज 24 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।
- जी.एन.जी-2144 (तीज) राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों के लिए अधिसूचित यह किस्म दोहरे फूल व 20 से 25 प्रतिशत दोहरी फली वाली है। देरी से बुआई योग्य इस किस्म की दिसंबर के पहले सप्ताह में भी बुआई कर सकते हैं। बुआई के 130 से 135 दिनों में तैयार होने के साथ ही इसकी औसत उपज 23 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

बुआई की विधि

चने की बुआई कतारों में करें। 7 से 10 सें.मी. गहराई पर बीज डालें। कतार से कतार की दूरी 30 सें.मी. (देसी चने के लिए) तथा 45 सें.मी. (काबुली चने के लिए)।

खरपतवार नियंत्रण

फ्लूक्लोरेलिन 200 ग्राम (सक्रिय तत्व) का बुआई से पहले या पेंडीमेथालीन 350 ग्राम (सक्रिय तत्व) का अंकुरण से पहले 300-350 लीटर पानी में घोल बनाकर एक एकड़ में छिड़काव करें। पहली निराई-गुड़ाई बुआई के 30-35 दिनों बाद तथा दूसरी 55-60 दिनों बाद आवश्यकतानुसार करें।

सिंचाई

आमतौर पर चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है। चने की फसल के लिए कम जल की आवश्यकता होती है। चने में जल उपलब्धता के आधार पर पहली सिंचाई फूल आने के पूर्व अर्थात बोने के 45 दिनों बाद एवं दूसरी सिंचाई दाना भरने की अवस्था पर अर्थात बोने के 75 दिनों बाद करनी चाहिए।

अन्य समस्याएं

- सूत्राकृमि सूत्राकृमि के प्रकोप से पौधा अविकसित रह जाता है। जड़ें छोटी रह जाती हैं और उत्पादन प्रभावित होता है।
- नियंत्रण के लिए गर्मियों में गहरी जुताई करें, प्रतिरोधी किस्म का चयन करें। गैर-दलहनी फसलों जैसे मक्का, धान या मूंगफली को फसलचक्र में शामिल करें। रासायनिक नियंत्रण प्रकोप के आधार पर 10-15 कि.ग्रा. कार्बोफ्यूरॉन प्रति एकड़ का प्रयोग करें।

साल भर उगाई जा सकती है मूली

मूली की खेती के लिए भूमि का चयन

मूली के उत्तम उत्पादन के लिए उचित जल निकास वाली रेतीली दोमट और दोमट भूमि अधिक उपयुक्त रहती है। मटियार भूमि मूली कि फसल उगाने के लिए अनुपयुक्त रहती है, क्योंकि इस भूमि में ऐसी जड़ों का समुचित विकास नहीं हो पाता है।

इसकी खेती के लिए गहरी जुताई कि आवश्यकता होती है, क्योंकि इसकी जड़ें भूमि में गहरी जाती है। गहरी जुताई के लिए मिटटी पलटने वाले हल से जुताई करें। इसके बाद दो बार कल्टीवेटर या देशी हल चलाएँ जुताई के बाद पाटा अवश्य लगाएं, ताकि भूमि समतल और भुरभुरी हो जाये।

मूली की खेती के लिए भूमि कि तैयारी

हमारे देश में मूली की खेती प्राय: सभी क्षेत्रों में की जाती है। सामान्यत: सब्जी उत्पादक कृषक सब्जियों की अन्य फसलों की मेढ़ों पर या छोटे-छोटे क्षेत्रों में मूली लगाकर आय अर्जित करते है। शीत ऋतु में भी कृषक इसकी फसल को 30 से 60 दिन में तैयार कर पुन: बोवनी कर दो बार उपज प्राप्त कर लेते हैं। यह फसल कम खर्च में अधिक उत्पादन देने वाली सलाद के लिए उत्तम हैं। जड़ वाली सब्जियों में इनका प्रमुख स्थान है। इनकी खेती सम्पूर्ण भारत वर्ष में की जाती है ।

महत्व-

मूली का उपयोग आमतौर पर सलाद एवं पकी हुई सब्जी के रूप में किया जाता है। इसमें तीखा स्वाद होता है, इसका उपयोग नाश्ते में दही के साथ पराठे के रूप में भी किया जाता है। इसकी पत्तियों की भी सब्जी बनाई जाती है। मूली विटामिन सी एवं खनीज तत्व का अच्छा स्त्रोत है।

मूली लिवर एवं पीलिया मरीजों के लिए भी अनुसंशित है। यदि उत्पादक मूली की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो इसकी खेती से अधिक उपज के साथ-साथ अच्छा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में मूली की उन्नत खेती कैसे करें का उल्लेख किया गया है।

मूली की खेती के लिए किस्में

हमारे देश के विभिन्न क्षत्रों में मूली की दो प्रकार की किस्मे उगाई जाती है, एशियन और यूरोपियन जो इस प्रकार है, जैसे-

एशियन किस्में- पूसा चेतकी, जापानी सफ़ेद, पूसा हिमानी, पूसा रेशमी, जौनपुरी मूली, हिसार मूली न- 1, कल्याणपुर- 1, पूसा देशी, पंजाब पसंद, चाइनीज रोज, सकुरा जमा, व्हाईट लौंग, के एन-1, पंजाब अगेती और पंजाब सफेद आदि प्रमुख है।

यूरोपियन किस्में- व्हाईट आइसीकिल, रैपिड रेड व्हाईट टिपड, स्कारलेटग्लोब और फ्रेंच ब्रेकफास्ट आदि प्रमुख है।

मूली की उन्नत किस्में, विशेषताएं और पैदावार

मूली की फसल लेने के लिए ऐसी उन्नत किस्मों का चयन करना चाहिए, जो देखने में सुंदर व खाने में स्वादिष्ट हो, साथ ही अपने क्षेत्र की प्रचलित और अधिक पैदावार देने वाली होनी चाहिए। मूली की खेती मैदानी इलाकों में सितंबर से जनवरी तक और पहाड़ी इलाकों में मार्च से अगस्त तक आसानी से की जा सकती है।

वैसे मूली की तमाम ऐसी एशियन और यूरोपियन किस्में उपलब्ध हैं, जो मैदानी व पहाड़ी इलाको में पूरे साल उगाई जा सकती है। इस लेख में मूली की उन्नत किस्मों की विशेषताएं और पैदावार की जानकारी का उल्लेख किया गया है।

मूली की किस्में

एशियन किस्में

पूसा चेतकी-

डेनमार्क जनन द्रव्य से चयनित यह किस्म पूर्णतया सफेद, मूली, नरम, मुलायम, ग्रीष्म ऋतु की फसल में कम तीखी जड़ 15 से 22 सेंटीमीटर लम्बी, मोटी जड़, पत्तियां थोड़ी कटी हुई, गहरा हरा एवं उर्ध्वमुखी, 40 से 50 दिनों में तैयार, ग्रीष्म एवं वर्षा ऋतु हेतु उपयुक्त फसल अप्रैल से अगस्त और औसत पैदावार 250 से 270 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

जापानी सफ़ेद-

इस किस्म कि जड़ें सफ़ेद लम्बी 15 से 22 सेंटीमीटर बेलनाकार, कम तीखी मुलायम और चिकनी होती है। जड़ों का नीचे का भाग कुछ खोखला होता है। इसकी बुवाई का सर्वोत्तम समय 15 अक्तूबर से 15 दिसंबर तक है बोने के 45 से 55 दिन बाद फसल खुदाई के लिए तैयार और पैदावार क्षमता 250 से 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

पूसा हिमानी-

इस मूली की किस्म की जड़े 30 से 35 सेंटीमीटर लम्बी, मोटी, तीखी, अंतिम छोर गोल नहीं होते, सफेद एवं टोप हरे होते है। हल्का तीखा स्वाद और मीठा फ्लेवर, बोने के 50 से 60 दिन में परिपक्व, दिसम्बर से फरवरी में तैयार और औसत पैदावार 320 से 350 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है।

पूसा रेशमी-

इसकी जड़ें 30 से 35 सेंटीमीटर लम्बी , मध्यम मोटाई वाली, लेकिन उपरी सिरे वाली, समान रूप से चिकनी और हलकी तीखी होती है। उपरी भाग मध्यम ऊंचाई वाला और हलके हरे रंग कि कटावदार पतियों वाला होता है। यह किस्म मध्य सितम्बर से अक्टूम्बर तक बुवाई के लिए उपयुक्त है बोने के 55 से 60 दिन बाद तैयार और उपज क्षमता 315 से 350 प्रति हेक्टेयर है।

जौनपुरी मूली-

यह उत्तर प्रदेश कि प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय किस्म है। यह 70 से 100 सेंटीमीटर लम्बी और । से 10 सेंटीमीटर मोटी होती है। इस किस्म का छिलका और गुदा सफ़ेद होता है। गुदा मुलायम, कम चरपरा और मीठा होता है।

हिसार मूली न 1-

इस मूली की उन्नत किस्म की जड़ें सीधी और लम्बी बढ़ने वाली होती है। जड़ें सफ़ेद रंग कि होती है, यह किस्म सितम्बर से अक्तूबर तक बोई जाती है। यह किस्म बोने के 50 से 55 दिन बाद खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। यह प्रति हेक्टेयर 225 से 250 क्विंटल तक उपज दे देती है।

कल्याणपुर 1-

इस मूली की उन्नत किस्म की जड़ें सफ़ेद चिकनी मुलायम और मध्यम लम्बी होती है। बोने के 40 से 45 दिन बाद यह खुदाइ के लिए तैयार हो जाती है।

पूसा देशी-

इस मूली की किस्म कि जड़ें सफ़ेद, मध्यम, मोटी 30 से 35 सेंटीमीटर लम्बी और बहुत चरपरी होती है। इसकी जड़ें नीचे कि ओर पतली होती है। पौधों का उपरी भाग मध्यम ऊंचाई वाला होता है और पत्तियां गहरे हरे रंग कि होती है। यह मध्य अगस्त से अक्टूम्बर के आरंभ तक बुवाई के लिए उत्तम किस्म है। यह बोने के 40 से 55 दिन बाद तैयार हो जाती है।

पंजाब पसंद-

यह जल्दी पकने वाली किस्म है, यह बिजाई के बाद 45 दिनों में कटाई के लिए तैयार होती हैं। इसकी जड़ें लम्बी, रंग में सफेद और बालों रहित होती है। इसकी बिजाई मुख्य मौसम और बे-मौसम में भी की जा सकती है। मुख्य मौसम में, इसकी औसतन पैदावार 215 से 235 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और बे-मौसम में 150 क्विंटल होती है।

अन्य एशियन किस्में-

चाइनीज रोज, सकुरा जमा, व्हाईट लौंग, के एन-1, पंजाब अगेती और पंजाब सफेद आदि है। ये किस्में भी अच्छी पैदावार वाली और आकर्षक है।

यूरोपियन किस्में

व्हाईट आइसीकिल-

यह मूली की किस्म ठंडी जलवायु के लिए उपयुक्त है। इसकी जड़ें सफ़ेद, पतली कम चरपरी और स्वादिष्ट होती है। इसकी जड़ें सीधी बढ़ने वाली होती है। जो नीचे के ओर पतली होती जाती है। इसे खेत में लम्बे समय तक रखने पर भी इसकी जड़ें खाने योग्य बनी रहती है। इसे 15 अक्टूम्बर से फ़रवरी तक कभी भी बो सकते है। इस किस्म कि मुली बोने के करीब 30 दिन बाद तैयार हो जाती है।

रैपिड रेड व्हाईट टिपड-

इस किस्म कि मूली का छिलका लाल रंग का होता है। जो थोड़ी सी सफेदी लिए होता है। जिसके कारण मुली देखने में अत्यंत आकर्षक लगती है। इसकी जड़ें छोटे आकार वाली होती है और उनका गुदा सफ़ेद रंग का होता है तथा मुली कम चरपरी होती है। इस किस्म कि बुवाई मध्य अक्टूम्बर से फ़रवरी तक कभी भी कि जा सकती है। इस किस्म कि मुली बोने के लगभग 25 से 30 दिन बाद तैयार हो जाती है।

स्कारलेटग्लोब-

यह मूली की अगेती किस्म है, जो बोने के 25 से 30 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी जड़ें छोटी मुलायम और ग्लोब के आकार वाली होती है। इसकी जड़ें खाने में अत्यंत स्वादिष्ट लगती है।

फ्रेंच ब्रेकफास्ट-

यह भी मूली की एक अगेती किस्म है, यह किस्म बुवाई के 2। दिन बाद खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। जड़ें बड़े आकार में छोटी, मुलायम, गोलाकार तथा कम चरपरी होती हैजो खाने में अत्यंत स्वादिष्ट लगती है।

मूली के बीज की मात्रा इसकी किस्म, बोने की विधि और बीज के आकार पर निर्भर करती है। 5 से 10 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर आवयक होता है।

मूली की खेती के लिए बुवाई की विधि

मूली की बुवाई दो प्रकार की प्रचलित विधियों से अधिक की जाती है, जैसे-

कतारों में- अच्छी प्रकार तैयार क्यारियों में लगभग 30 सेंटीमीटर की दूरी पर कतारें बना ली जाती है और इन कतारों में बीज को लगभग 3 से 4 सेंटीमीटर गहराई में बो देते हैं। बीज उग जाने पर जब पौधों में दो पत्तियॉ आ जाती है तब 8 से 10 सेंटीमीटर की दूरी छोड़कर अन्य पौधों को निकाल देते है।

मेड़ों पर- इस विधि में क्यारियों में 30 सेंटीमीटर की दूरी पर 15 से 20 सेंटीमीटर ऊँची मेड़ें बना ली जाती है। इन मेड़ों पर बीज को 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बो दिए जाते है। बीज उग आने पर जब पौधों में दो पत्तियॉ आ जाए तब पौधों को 8 से 10 सेंटीमीटर की दूरी छोड़कर बाकी पौधों को निकाल दिया जाता है। यह विधि अच्छी रहती है। क्योंकि इस विधि से बोने पर इसकी जड़ की बढ़वार अच्छी होती हैं और मूली मुलायम रहती है।

मूली की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु

मूली अधिक तापमान के प्रति सहनशील है। किन्तु सुगंध विन्यास और आकार के लिए ठंडी जलवायु कि आवश्यकता होती है। अधिक तापमान के कारण जड़ें कठोर और चरपरी हो जाती है। मूली कि सफल खेती के लिए 10 से 11 डिग्री सेल्सियस तापमान सर्वोत्तम माना गया है।

मूली की खेती के लिए खाद और उर्वरक

200 से 250 किंवटल गोबर की खाद या कम्पोस्ट, 100 किलोग्राम नाइटोजन, 50 किलोग्राम स्फुर तथा 100 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर आवयक है। गोबर की खाद, स्फुर तथा पोटाश की पूरी मात्रा और नाइट्रोजन की आधी खेत की तैयारी के समय तथा नाइटोजन की शेष मात्रा दो भागों में बोने के 15 और 30 दिन बाद देना चाहिए।

मूली की फसल में निदाई-गुड़ाई

यदि खेत में खरपतवार उग आये हों तो आवयकतानुसार उन्हें निकालते रहना चाहिए। रासायनिक खरपतवारनाशी जैसे पेन्डिमीथेलिन 30 ई सी 3.0 किलोग्राम 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 48 घंटे के अन्दर प्रयोग करने पर प्रारम्भ के 30 से 40 दिनों तक खरपतवार नहीं उगते हैं। निंदाई-गुड़ाई 15 से 20 दिन बाद करना चाहिए। मूली की खेती में उसके बाद मिटटी चढ़ा देनी चाहिए। मूली की जड़े मेड़ से उपर दिखाई दे रही हों तो उन्हें मिटटी से ढक दें अन्यथा सूर्य के प्रकाश के सम्पर्क से वे हरी हो जाती हैं।

मूली फसल की सिंचाई और जल निकास

बोवाई के समय यदि भूमि में नमी की कमी रह गई हो तो बोवाई के तुरंत बाद एक हल्की सी सिंचाई कर दें। वैसे वर्षा ऋतु की फसल में सिंचाई की आवयकता नहीं पड़ती हैं। परन्तु इस समय जल निकास पर ध्यान देना आवयक हैं। गर्मी की फसल में 4 से 5 दिन के अन्तराल पर सिंचाई की आवयकता पड़ती है। शरदकालीन फसल में 10 से 15 दिन के अन्तर पर सिंचाई करते हैं। मेड़ों पर सिंचाई का पानी आधी मेड़ तक ही सिमित रखना चाहिए ताकि पूरी मेड़ नमीयुक्त व भुरभुरी बनी रहे।

-(Compiled by: C M Sharma)

मूली फसल के कीट और रोग की रोकथाम

माहू- हरे सफेद छोटे-छोटे कीट होते है। जो पत्तियों का रस चूसते हैं। इस कीट के लगने से पत्तिया पीली पड़ जाती है तथा फसल का उत्पादन काफी घट जाता है। इसके प्रकोप से फसल विपणन योग्य नहीं रह जाती है।

रोकथाम- इस कीट के नियंत्रण हेतू मैलाथियान 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से लाभ होता है। इसके अलावा 4 प्रतिशत नीम गिरी के घोल में किसी चिपकने वाला पदार्थ जैसे चिपकों या सेण्ड्रोविट के साथ छिड़काव उपयोगी रहता है।

रोयदार सूड़ी- कीड़े की सूड़ी भूरे रंग का रोयेदार होती है और ज्यादा संख्या में एक जगह पत्तियों को खाती हैं।

रोकथाम- इसके नियंत्रण के लिए मैलाथियान 10 प्रतित चूर्ण 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से सुबह के समय भुरकाव करना चाहिए।

अल्टरनेरिया झुलसा- यह रोग जनवरी से मार्च के दौरान बीज वाली फसल पर ज्यादा लगता है। पत्तियों पर छोटे घेरेदार गहरे काले धब्बे बनते हैं। पुष्पम व फल पर अण्डाकार से लंबे धब्बे दिखाई देते हैं। प्राय: यही रोग मूली की फसल पर लगता हैं।

रोकथाम- इसके नियंत्रण हेतू कैप्टान 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार करें, नीचे की प्रभावित पत्तियों को तोड़कर जला दें। पत्ती तोड़ने के बाद मैन्कोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

मूली फसल की खुदाई

जब जड़े पूर्ण विकसित हो जाये तब कड़ी होने से पहले मुलायम अवस्था में ही फसल की खुदाई कर लेनी चाहिए।

मूली की खेती से पैदावार

मूली की पैदावार इसकी किस्में, खाद व उर्वरक तथा अंत: सस्य क्रियाओं पर निर्भर करती है। लेकिन उपरोक्त वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर इसकी औसत उपज 200 से 350 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के करीब होती है।